राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण रविवार ,17 अक्टूबर–2021 वर्ष–4,अंक–266 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में तापी पुल से कूदी महिला, गृह राज्य मंत्री हर्ष सांघवी ने महिला को बचाने के लिए काफिला रोका

क्रांति समय दैनिक समाचार

सूरत के सरदार ब्रिज से एक महिला ने तापी नदी में कूदकर आत्महत्या करने की कोशिश की. जब वह तापी नदी में कूदा तो पैदल चलने वालों ने उसे रोकने की कोशिश की लेकिन वह तापी नदी में कूद गया। उसी समय गृह राज्य मंत्री हर्ष सांघवी सरदार पुल के पास से गुजर रहे थे और उन्होंने पुल पर भीड़ देखते ही अपने काफिले को रोक लिया.

जैसे ही वह कार से उतरे, उन्होंने देखा कि एक महिला सरदार ब्रिज से कूद रही है और उन्होंने दमकल विभाग के साथ-साथ अन्य संबंधित विभागों से महिला की तत्काल प्रभाव से मदद करने का आग्रह किया। मौके पर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने महिला को

रेस्क्यू कर इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया।

काफी पानी की वजह से महिला की जान बच गई

क्योंकि सूरत के मंत्री हर्ष सांघवी में बहुत सक्रियता से काम करने के लिए कम करना पड़ेगा। ४० साल की महिला के इरादे से तापी नदी में छलांग लगा दी। दमकल विभाग से फोन आने पर टीम सरदार ब्रिज पर पहुंची और स्थानीय लोगों के साथ-साथ महिला के कूदने के कारणों की जांच शुरू की।

नदी के जिस हिस्से में वह गिरी थी उसमें पानी कम होने की वजह से होने से महिला की जान बच गई।

महिला को पास के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया जहां दमकल विभाग ने महिला को डूबता बजाया,नदी के एक किनारे के ठीक ऊपर। तत्काल प्रभाव से दमकल विभाग के अधिकारियों ने महिला को बाहर निकालने का प्रयास शुरू कर दिया। इसके बाद महिला के जीवित होने की सूचना दी गई। उन्हें तत्काल प्रभाव से इलाज के लिए नजदीकी निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

गृह राज्य मंत्री ने सक्रियता की एक और मिसाल पेश की

हर्ष सांघवी ने अपनी सक्रियता का एक और उदाहरण पेश किया है . गृह राज्य मंत्री का काफिला जब सरदार ब्रिज के ऊपर से गुजर रहा था तो उन्होंने अपना काफिला रोका और महिला की मदद के लिए काम पर चले गए।

दमकल विभाग के एक अधिकारी ने कहा, “जैसे ही हमें फोन आया, हम मौके पर पहुंचे और महिला को कीचड़ से बचाया।”

सौभाग्य से महिला की सांस चल रही थी और हम उसे इलाज के लिए पास के प्रमुखस्वामी अस्पताल ले गए।

सूरत में विधायक कनानी ने 3 करोड़ रूपये की लागत से भेस्तान गार्डन के पुनर्विकास के नाम पर सवाल उठाए.

क्रांति समय दैनिक समाचार

सूरत के वराछा विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक भी सरकार के प्रदर्शन पर कई सवाल खड़े करते रहे हैं. जिससे सूरत नगर निगम के भाजपा शासकों के कार्य और नीति का पता चलता है। कुमार कनानी ने आयुक्त को पत्र लिखकर भेस्तान लेक गार्डन बनाने का निर्णय लिया है। इसने सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना है कि भेस्तान लेक गार्डन ११ साल पहले बनकर तैयार हुआ था। समय-समय पर मरम्मत और रखरखाव की आवश्यकता होती रही है, तो अचानक पुनर्विकास की आवश्यकता क्यों है।

संकट में पड़े बगीचे के रख-रखाव पर करोड़ों रूपये खर्च करने के बाद भी ऐसी स्थिति क्यों बनती है? इतना महत्वपूर्ण सवाल उठाने से भाजपा के शासक भी मुश्किल में हैं। कुमार कनानी ने पत्र में साफ लिखा है कि अगर भेस्तान लेक गार्डन को दोबारा विकसित किया जा रहा है तो मेरे संसदीय क्षेत्र के महाराणा प्रताप उद्यान चौपाटी को दोबारा विकसित करने का विचार क्यों नहीं आता. ऐसा लगता है कि उन्होंने भाजपा शासकों और अधिकारियों के प्रदर्शन पर व्यंग्य किया है।

यदि कोरो काल में हुए आर्थिक बोझ के कारण नगर पालिका की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है तो लापरवाही के कारण पुनर्विकास कार्यों पर करोड़ों रूपये खर्च करना कितना उचित है। इसके लिए कौन जिम्मेदार है? उन्होंने ऐसा ज्वलंत प्रश्न पूछा है।कुमार कनानी

भले ही भाजपा विधायक हैं, लेकिन वे समय-समय पर भाजपा सरकार और निगम के अधिकारियों के प्रदर्शन को लेकर कई सवाल पूछते रहे हैं। हालांकि महत्वपूर्ण बात यह है कि जब वह इस तरह के किसी भी मुद्दे पर नगर आयुक्तको पत्र लिखते हैं, तो सत्ताधारी भाजपा की स्थिति स्पष्ट हो जाती है और कुमार कनानी के खिलाफ नगर संगठन में कोहराम मच जाता है।

कनानी विधायक कुमार कनानी ने दिव्या भास्कर से कहा , “मैं हमेशा से सक्रिय रहा हूं।” लेकिन उन्हें यह समझने की जरूरत है कि मैं इस तरह के सवालों को उठाने में हमेशा सक्रिय रहा हूं। पहले एक मंत्री था, इसलिए मैं अधिकारियों को अपने कार्यालय में बुलाता या फोन करके हमें निर्देश देता। मैं उनसे उन चीजों के बारे में चर्चा करता था जो ठीक नहीं चल रही थीं। मैं अब मंत्री नहीं हूं। एक विधायक के रूप में समन्वय वह मुद्दा है जिसे मुझे उठाना है। मैं इसे लिखित रूप में प्रस्तुत कर रहा हूं। बाकी पार्टी को अपने प्रदर्शन को देखना चाहिए कि वे क्या कर रहे हैं। वह पूरे शहर को अच्छी तरह जानता है।

मंत्री और विधायक के रूप में कनानी विफल रहे – नगर पालिका के नेता प्रतिपक्ष

मनपा में विपक्ष के नेता धर्मेश भंडारी ने कहा कि कुमारभाई एक मंत्री के रूप में भी विफल रहे हैं। वे इतने लंबे समय से निष्क्रिय हैं, अब सक्रिय क्यों हो रहे हैं? वह राजनीति सब जानते हैं। पैदल घर जाने की बात कुमार कनानी समझ रहे हैं। विधानसभा चुनाव से पहले कुमारभाई ऐसे कई सवाल उठाते रहेंगे. वे ऐसे बात करेंगे जैसे वे अपना मानसिक संतुलन खो रहे हों। अवैध निर्माण की बात कर रहे हैं। तब उसे समझना चाहिए कि वह बरसों से राज कर रहा है। हर कोई समझता है कि इस क्षेत्र में सबसे ज्यादा भ्रष्टाचार किसने किया है। यही शक्तिपर आवश्यक कार्य है। उनके पास ऐसा करने के लिए पैसे नहीं हैं और वे बगीचे के पुनर्विकास के पीछे खर्च करने को तैयार हैं। इससे उनकी मानसिकता का पता चलता है।

फर्जी सर्टिफिकेट मामले का मास्टर माइंड निकला आम आदमी पार्टी का नेता

देवभूमि द्वारका,कक्षा 10 के सर्टिफिकेट और मार्कशीट बनाने के मामले में देवभूमि द्वारका की खंभालिया पुलिस ने आम आदमी पार्टी (आप) के जिला प्रमुख करूभाई जीवनभाई उर्फ केजे गढवी को गिरफ्तार कर जांच शुरूकी है। देवभूमि द्वारका जिले की खंभालिया तहसील रजुरडा गांव निवासी आप नेता केजे गढ़वी कजुरडा पाटिया के निकट मानव मंदिर नामक स्कूल चलाता है। गढवी ने कक्षा 10 के तीन विद्यार्थियों से रूपए लेकर फर्जी सर्टिफिकेट बनाकर दिए थे। जिसके आधार पर तीनों विद्यार्थियों ने द्वारका में हुई सेना में हुई भर्ती के लिए आवेदन किया था। जिसमें विद्यार्थियों ने मेडिकल पास कर लिया, लेकिन जब सर्टिफिकेट के सत्यापन की बारी आई तो तीनों ने फर्जी सर्टिफिकेट पेश कर दिए। सत्यापन के दौरान तीनों के सर्टिफिकेट फर्जी निकले। इस खुलासे के बाद विरमदेवसिंह के पिता प्रवीणसिंह पथुभा वाघेला ने खंभालिया पुलिस थाने में आप नेता केजी गढवी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवा दी। दरअसल विरमदेवसिंह वर्ष 2017 में कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षा में फेल हो गया था। बाद में उसका संपर्क केजे गढवी से हुआ, जिसमें उसने भरोसा दिलाया कि वह गुजरात बोर्ड के बजाए दिल्ली राज्य बोर्ड की मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय शिक्षा संस्थान का सर्टिफिकेट बनाकर दे देगा। इसके लिए विरमदेवसिंह ने न तो किसी परीक्षा के लिए फार्म भरा और न ही कोई परीक्षा दी। इसके बावजूद केजे गढवी ने विरमदेवसिंह का कक्षा 10 पास का फर्जी सर्टिफिकेट बना दिया। इसी सर्टिफिकेट के आधार पर विरमदेवसिंह सेना में शामिल होना चाहता था और फरवरी 2021 में द्वारका में हुई भर्ती के लिए आवेदन भी किया था। परंतु सत्यापन के दौरान उसका सर्टिफिकेट फर्जी निकला। फिलहाल खंभालिया पुलिस ने आप नेता केजे गढवी को गिरफ्तार कर उसने कितने फर्जी सर्टिफिकेट बनाकर दिए हैं और अन्य कितने लोग इस पूरे प्रकरण में शामिल हैं? इत्यादि की पूछताछ शुरूकी है।

पत्नी की हत्या के बाद पति ने पुलिस को फोन कर पूछा – कहां सरैंडर करूं

राजकोट,शहर में एक शख्स ने पत्नी की हत्या करने के बाद पुलिस को फोन किया और पूछा कि किस थाने में सरैंडर करूं। फोन पर शख्स की बात सुनकर पुलिस भी चौंक उठी और तुरंत घटनास्थल पहुंच गई और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के मुताबिक राजकोट के मनहरपुर में रहनेवाले 25 वर्षीय शैलेष भूपतभाई पंचासरा ने शुक्रवार की देर रात पुलिस कंट्रोल रूम में फोन किया और बताया कि उसने अपनी पत्नी की हत्या कर दी है और आत्मसमर्पण करना चाहता हूं। किस थाने में सरैंड करूं। फोन पर शैलेष की बात सुनकर तो पुलिस चौंक उठीङ्क पहले तो पुलिस को लगा कोई शराब के नशे में उसे फोन कर गुमराह करने का प्रयास कर रहा है। हांलाकि पुलिस ने जब घटनास्थल के बारे में पूछा तो शैलेष ने राजकोट के घंटेश्वर एसआरपी कैम्प निकट पुलिस से आने को कहा। हांलाकि पुलिस के पहुंचने से पहले शैलेष वहां पहुंच गया और एसआरपी कैम्प के पीछे सूनसान जगह पर पुलिस को ले गया और 22 वर्षीय पत्नी नेहा का शव दिखाया। पूछताछ में शैलेष ने बताया कि वह अपनी चरित्रहीन पत्नी की हरकतों से तंग आ गया था, इस वजह से उसकी हत्या कर दी। ड्राइविंग का काम करनेवाले शैलेष पंचासरा ने पांच साल पहले नेहा नामक युवती से प्रेम विवाह किया था। शैलेष और नेहा की दो साल की बेटी भी है। शादी के बाद नेहा के अन्य किसी युवक के साथ प्रेम संबंधों को लेकर उसके और शैलेष के बीच आए दिन लड़ाई-झगड़े होते रहते थे। शुक्रवार की रात शैलेष ने मनहरपुर स्थित अपने घर में नेहा की तीक्ष्ण हथियार गोदकर हत्या कर दी और बाद में पुलिस को घटना की जानकारी दे दी। पुलिस ने शैलेष के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज उसे गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरूकी है।

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे
अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

संपादकीय

आंदोलन में हिंसा

लखीमपुर में उड़ी हिंसा की धूल पूरी तरह जमीन पर आई भी नहीं है कि सिंघु बॉर्डर पर किसानों के प्रदर्शन स्थल के निकट एक युवक की निर्मम हत्या ने झकझोर कर रख दिया है। यह हत्या ऐसी है, जिससे संयुक्त किसान मोर्चा ने भी पल्ला झाड़ लिया है और इसे एक बड़ी साजिश करार दिया है। हत्यारों ने जिस तरह से शव को अपमानित किया है, उसे हल्के से नहीं लिया जा सकता। यह घटना ऐसी नहीं है, जिससे संयुक्त किसान मोर्चा आसानी से दामन छुड़ा ले। कोई भी आंदोलन जिम्मेदारी भरा काम है, इस जिम्मेदारी को उठाने वालों के लिए यह जरूरी है कि वे संविधान और मानवीयता के तहत अपना नैतिक बल बनाए रखें। इस हत्या से आंदोलन पर भले कोई सीधा असर न पड़े, लेकिन एक दुखद अध्याय तो उसके साथ जुड़ ही गया है। किसान मोर्चा पूरा जोर लगा देगा कि वह मरने वालों के साथ-साथ मारने वालों से भी दूरी बना ले, लेकिन क्या वह हाथ झाड़कर खड़ा हो सकता है? यह बहुत दुख की बात है कि इस आंदोलन के साथ एक संप्रदाय विशेष का धार्मिक जुड़ाव किसी से छिपा नहीं है। इस धार्मिक संप्रदाय के झंडावाहकों के दामन पर इस निर्मम हत्या के दाग लगे हैं। यह संजीदगी के साथ विचार करने का समय है। मारने वालों को सोचना चाहिए कि इस हत्या से किसकी प्रतिष्ठा में वृद्धि हुई है? क्या इस हत्या से आंदोलन को मजबूती मिली है? कायदे से आंदोलन में तो उन्हीं लोगों को होना चाहिए, जिनका आचरण संविधान की रोशनी में जिम्मेदारी भरा हो। किसान आंदोलन के नाम पर एक तांडव देश ने 26 जनवरी को दिल्ली की सीमा से लाल किले तक देखा था, लेकिन तब भी देश ने हुड़दंग करने वालों को माफ कर दिया था। आज उस बवाल की कोई चर्चा नहीं करता। किस तरह से तलवारबाजी हुई थी, किस तरह से लोगों को आतंकित किया गया था, लोग भूले नहीं हैं। इसके बावजूद किसान आंदोलन चल रहा है और ऐसा लगता है कि अराजक तत्वों की संख्या आंदोलन में फिर बढ़ रही है। अब किसान आंदोलन के कर्ताधर्ताओं को सचेत हो जाना चाहिए। लखीमपुर में किसानों के साथ सहानुभूति के बावजूद एक दुखद तथ्य यह भी है कि वहां हिंसा को हिंसा से जवाब दिया गया। किसान आंदोलन के नेताओं को एक बार गिरेबान में झांकना चाहिए। क्या ऐसी हिंसा के कारण उनके प्रति सहानुभूति में कमी नहीं आ रही है? ऐसी हिंसा से क्या समाज में हमेशा के लिए एक ऐसा वर्ग नहीं खड़ा हो रहा है, जिसकी यादों में किसान आंदोलन एक दुस्वप्न होगा? क्या किसानों की कोई जवाबदेही नहीं है? किसी भी आंदोलन को अंदर से साफ करना और रखना आंदोलनकारियों का स्वयं का काम है। अगर आंदोलन में हिंसक या साजिश करने वाले शामिल होने लगे हैं, तो यह किसान नेताओं की सबसे बड़ी जवाबदेही है। जो नकली किसान समर्थक आंदोलन में घुस आए हैं, उन्हें पहचानकर निकाल बाहर करना भी आंदोलनकारी किसानों का ही कर्तव्य है। हजारों किसान दिल्ली सीमा पर डटे हैं, लेकिन क्या किसी में हिम्मत नहीं थी कि ऐसी निर्मम हत्या को रोकता? मृतक पंजाब का एक मजदूर बताया जा रहा है, उसे न्याय मिलना चाहिए। ध्यान रहे, इस देश में सजा देने का अधिकार केवल अदालत को है और किसी को नहीं।

'आज के ट्वीट

जिम्मेदारी

किसान आंदोलन की जिम्मेदारी राकेश टिकैत की है तो इस आंदोलन में हो रहे हर 'अपराध' की जिम्मेदारी भी टिकैत की ही है

-- अजीत डोभाल

श्रीलंका सरकार द्वारा जैविक खेती अपनाने के क्रांतिकारी निर्णय

देविंदर शर्मा

जैसी कि उम्मीद थी, श्रीलंका सरकार द्वारा जैविक खेती अपनाने के क्रांतिकारी निर्णय पर विवाद खड़ा होना लाज़िमी था। वही पुरानी दलीलें, भयाक्रांत करने, सिद्धांत विशेष का वास्ता देकर बताया गया कि यह कदम कृषि में दुनिया को फिर से पीछे ले जाने वाला है। बड़ी अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों के चंगुल में फंसी कृषि-औद्योगिकी के शक्ति-संतुलन को जब भी चुनौती मिलने की कोई संभावना बनती है तो यही पुराना राग अलापा जाने लगता है। इससे पहले कि संयुक्त राष्ट्र खाद्य व्यवस्था शिखर सम्मेलन विश्व के लिए एक बेहतर स्वास्थ्यप्रद, ज्यादा टिकाऊ और अधिक न्यायसंगत खाद्य व्यवस्था को मान्यता दे, श्रीलंका ने कुछ महीने पहले ही साहसिक निर्णय लेकर कृषि-पारिस्थितिकीय सिद्धांत को मूर्त रूप देते हुए 6 मई को एक गजटीय अध्यादेश के जरिए देश में रासायनिक खाद और कीटनाशकों के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया। इससे पहले सरकार ने पाम ऑयल के आयात पर भी प्रतिबंध लगा दिया था और किसानों को मौजूदा पाम वृक्ष चरणबद्ध ढंग से उखाड़ने का आदेश देकर खेती के भविष्य को स्वास्थ्यप्रद और टिकाऊ बनाने वाला परिवर्तन कर दिखाया है। न्यूयॉर्क में 22 सितम्बर को संयुक्त राष्ट्र के आम सत्र को संबोधित करते हुए श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे ने कहा 'पर्यावरणीय अक्षुण्ण बनाना श्रीलंका की राष्ट्रीय नीति ढांचे का मुख्य स्तंभ है। चूंकि मिट्टी की प्रजनन शक्ति, जैव विविधता, जलस्रोत एवं स्वास्थ्य पर बुरा असर हो रहा था, इस वजह से मेरी सरकार ने साल के शुरू में रासायनिक खाद, कीट एवं खरपतवार नाशकों को पूरी तरह प्रतिबंधित करने का फैसला ले लिया था।' उन्होंने आगे कहा: 'जैविक खाद अपनाने के अलावा जैव-कृषि में निवेश को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहनपरक बनाया गया है।' वह देश जिसके सिर पर पहले से बहुत भारी विदेशी कर्ज का बोझ है और सालाना आमदनी का लगभग 80 फीसदी ऋण-सूद अदायगी में खप रहा हो और ठीक इसी समय भारी खाद्य किल्लत से भी जूझ रहा हो, इसके बावजूद श्रीलंकाई राष्ट्रपति उन लोगों की परवाह न करते हुए अपने निर्णय अडिग हैं, जो जैविक कृषि चुनने से उपज में गिरावट से बनने वाली खाद्य-असुरक्षा के नाम पर भय दिखा रहे हैं। यह प्रसंग मुझे इस किस्म के अन्य दबाव की याद दिलाता है, जब इंडोनेशिया के पूर्व राष्ट्रपति सुहार्तो ने 1980 के दशक के अंत में अध्यादेश जारी कर एक झटके में धान पर इस्तेमाल होने वाले 57 रासायनिक कीटनाशकों को प्रतिबंधित कर दिया था। यह आदेश धान पर भूरे टिड्डे के अभूतपूर्व हमले की प्रतिक्रिया स्वरूप था। अंतर्राष्ट्रीय धान अनुसंधान संस्थान और संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की सलाह पर अमल करते राष्ट्रपति सुहार्तो ने तब एकीकृत धान कीट निदान कार्यक्रम शुरू किया था। श्रीलंका में ऐसा आभास पैदा किया जा रहा है कि मानो देश में बना खाद्य संकट जैविक खेती की तरफ मुड़ने से बना है। लेकिन यह बात गलत है और रसायन उद्योग द्वारा फैलाया जा रहा एक दुष्प्रचार है। वास्तव में, रासायनिक खादों पर प्रतिबंध का फैसला मई महीने की शुरुआत से प्रभावी हुआ था, उसके बाद से याला नामक एक फसल चक्र, जिसकी बुवाई मई माह में और कटाई अगस्त महीने में होती है, आ चुका है, लेकिन इससे पहले कि उपज मंडी में आती, उत्पादन में कमी की हवा फैला दी गई। जबकि होता यह है कि रासायनिक खाद का इस्तेमाल बंद करने के दूसरे और तीसरे वर्ष में जाकर, स्थिरता प्राप्त करने से पहले, उत्पादन में कुछ कमी आती है और उसके बाद धीरे-धीरे बढ़ने लगता है। किसी भी सूरत में, रसायन आधारित सघन खेती व्यवस्था अपने पीछे जो अतिरिक्त दुष्प्रभाव छोड़कर जाती है, उसकी कीमत समाज को जरूर चुकानी पड़ती है। उदाहरणार्थ, देश के उत्तरी क्षेत्र की धान पैदावार पट्टी में गावों के गरीब तबके में बड़ी संख्या में गुर्दे खराब होने के मामले आए हैं। बहुतों का मानना है कि इसका संबंध रासायनिक खाद और कीटनाशकों के अत्यधिक प्रयोग से है, जबकि अनेक विशेषज्ञ ऐसी किसी संभावना को खारिज करते हैं। 'द इंडिपेंडेंट' के मुताबिक पिछले 20 सालों में गुर्दे की बीमारी गंभीर बनने से 20000 से ज्यादा लोगों की मृत्यु हुई है और 4 लाख से अधिक बीमार पड़े हैं। चाय उत्पादन के मामले में, जिसका स्थान श्रीलंकाई निर्यात में दूसरा है, वहां भी जैविक राह चुनने से उत्पादन में कमी का हौवा खड़ा किया जा रहा है जबकि पहले ही चाय की उपज में काफी कमी हो चुकी है। संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन के अनुमान के मुताबिक पिछले दशक से चाय की पैदावार लगातार गिर रही है और अधिकांश बागानों में यह मात्रा 400 किलो प्रति एकड़ से घटकर 350 किलो रह गई है, तो कुछ जगह 150 किलो तक पहुंच गई है। लगभग 75 फीसदी चाय बागान मालिक छोटे हैं, उत्पादन घटने के पीछे मिट्टी की उर्वरता में हुआ ह्रास मुख्य कारणों में से एक है। पूरी तरह से जैविक खेती अपनाने का लाभ यह रहेगा कि आने वाले सालों में खेती में समुचित कृषि-पर्यावरण मित्र तरीके लागू करने से श्रीलंका का मिट्टी-स्वास्थ्य पुनः बन जाएगा, जिससे चाय के पौधों में नवजीवन संचारित होगा। जैविक उत्पाद का लेबल लगने पर तब श्रीलंकाई चाय वैश्विक बाजार में अपने लिए विशिष्ट जगह बना लेगी। इस सोच के साथ कि विश्व में जैविक खाद्य पदार्थों की मांग हर साल बढ़ने जा रही है। श्रीलंका ने पहल करके खुद को फायदेमंद स्थिति में रख लिया है, बशर्ते परिवर्तन की राह बताने में सही कदम उठाए जाएं। श्रीलंका के सामने अगली चुनौती है अपने अनुसंधान, विकास और उत्पादन के तरीकों में बदलाव लाने की। इसका आगाज सबसे पहले राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान कार्यक्रम के शैक्षणिक पाठ्यक्रम में समुचित बदलाव लाकर किया जाए। अनुसंधान वरीयता में सामुदायिक ज्ञान और नयी खोज को मान्यता देने और बचाने पर आधारित कर बदलाव लाना होगा। उपलब्ध रिवायती और विविधता समृद्ध पौधों की किस्में मौसम में आए बदलावों की वजह से बनी जटिलताओं के प्रति विशेष रूप से सहनशील होती हैं। यहां यह ध्यान रखना जरूरी है कि रूपांतरण प्रक्रिया भागीदारी वाली हो, कृषकों पर जबरदस्ती दीर्घकाल में कारगर नहीं होगी। वे सब, जिनको यह शंका है कि कृषि-पारिस्थिकीय पद्धति, जिसमें जैविक, प्राकृतिक और जैव-गतिज खेती व्यवस्था इत्यादि शामिल हैं, क्या दुनिया का पेट भरने में सक्षम होगी। यदि उत्तर हां में है तो फिर इस खाद्य व्यवस्था के नये स्वरूप की प्राप्ति कैसे संभव है। इसके लिए वर्ष 2019 में संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संस्थान के खाद्य सुरक्षा एवं पौष्टिकता पर उच्च स्तरीय विशेषज्ञ पैनल की रिपोर्ट ने तफसील से रास्ते सुझाए हैं। इसमें रफाएल डी'एनायोफ्लो और साथियों द्वारा किए गए अतिरिक्त-विश्लेषण (2017) का जिक्र भी आता है। जिसके मुताबिक निर्णायक रूप से बताया गया है कि कृषि-पारिस्थितिकीय व्यवस्था अपनाना आर्थिक रूप से फायदेमंद है। विश्लेषित किए गए मामलों में 61 फीसदी में फसल उत्पादन में वृद्धि हुई है तो 20 प्रतिशत में घटी है, जबकि 66 फीसदी मामलों में कृषि मुनाफा बढ़ा है। अकेले अपने दम पर खड़े होने के लिए साहस चाहिए होता है और यह तभी आता है जब आपको किसी बात पर पूरा यकीन हो। जिस कदर राजपक्षे ने अपनी नियति जैविक खेती से जोड़ी है, हो सकता है वह दुनिया के लिए जैविक कृषि के भविष्य का दरवाज़ा खोल दे।

लेखक कृषि एवं खाद्य मामलों के विशेषज्ञ हैं।

मन की शांति

श्रीराम शर्मा आचार्य

एक बार भगवान बुद्ध अपने शिष्यों के साथ कहीं जा रहे थे। उनके प्रिय शिष्य आनंद ने मार्ग में उनसे एक प्रश्न पूछा-'भगवान! जीवन में पूर्ण रूप से कभी शांति नहीं मिलती, कोई ऐसा मार्ग बताइए कि जीवन में सदा शांति का अहसास हो'। बुद्ध आनंद का प्रश्न सुनकर मुस्कुराते हुए बोले, तुम्हें इसका जवाब अवश्य देंगे किंतु अभी हमें प्यास लगी है, थोड़ा जल पी लें। क्या हमारे लिए थोड़ा जल लेकर आओगे? बुद्ध का आदेश पाकर आनंद जल की खोज में निकला तो थोड़ी दूर पर एक झरना नजर आया। वह जैसे ही करीब पंहुचा तब तक कुछ बैलगाड़ियां वहां आ पहुचीं और झरने को पार करने लगीं। उनके गुजरने के बाद आनंद ने पाया कि झील का पानी बहुत गंदा हो गया था। इसलिए उसने कहीं और से जल लेने का निश्चय किया। जब अन्य स्थानों पर तलाशने पर जल नहीं मिला तो निराश होकर उसने लौटने का निश्चय किया। खाली हाथ लौटने पर जब बुद्ध ने पूछा तो उसने सारी बातें बताई और कहा, फिर से मैं किसी दूसरी झील की तलाश करता हूं, जिसका पानी साफ हो। यह कहकर आनंद जाने लगा तभी बुद्ध बोले-'दूसरी झील तलाश करने की जरूरत नहीं, उसी झील पर जाओ'। आनन्द दोबारा उस झील पर गया किंतु अभी भी झील का पानी साफ नहीं हुआ था। कुछ पत्ते आदि उस पर तैर रहे थे। आनंद दोबारा वापस आकर बोला, झील का पानी अभी भी गंदा है। बुद्ध ने कुछ देर बाद उसे वहां जाने को कहा। थोड़ी देर ठहर कर आनंद जब झील पर पहुंचा तो झील का पानी बिल्कुल साफ हो चुका था। काई सिमट कर दूर जा चुकी थी, और पानी आईने की तरह चमक रहा था। आनंद प्रसन्न होकर जल ले आया जिसे बुद्ध पीकर बोले, आनंद जो क्रियाकलाप अभी तुमने किया, तुम्हारा जवाब इसी में छुपा हुआ है। बुद्ध बोले-हमारे जीवन के जल को भी विचारों की बैलगाड़ियां रोज गंदा करती रहती हैं, हमारी शांति भंग करती हैं। कई बार तो हम इनसे डर कर जीवन से ही भाग खड़े होते हैं किंतु हम भागें नहीं और मन की झील के शांत होने की थोड़ी प्रतीक्षा कर लें तो सब कुछ स्वच्छ और शांत हो जाता है। ठीक उसी झरने की तरह जहां से तुम ये जल लाए हो। हम ऐसा करने में सफल हो गए तो जीवन में सदा शांति के अहसास को पा लोगे।

वर्चुअल मंचों की कारोबारी सोच के खतरे

मोनिका शर्मा

निस्संदेह सोशल मीडिया के मंच सिर्फ सूचनाएं पाने और मन मुताबिक सामग्री को साझा करने का अड्डा भर नहीं हैं। इसके पीछे इन तमाम वर्चुअल प्लेटफॉर्म्स को चलाने वाली कम्पनियों की भी व्यावसायिक नीतियां हैं, जिसमें लाभ कमाने वाली कारोबारी सोच और योजनागत रूप से विस्तार पाने की तयशुदा सोच भी शामिल होती है। इसी का नतीजा है कि किशोरों के लिए सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम के उपयोग के खतरों से जुड़े एक शोध के नतीजे तक भी सार्वजनिक नहीं किए गए। गौरतलब है कि फेसबुक के अधिकारियों द्वारा साल 2020 में किये गए एक आंतरिक शोध में यह तथ्य सामने आया था कि किशोरों द्वारा सर्वाधिक इस्तेमाल किए जा रहे वर्चुअल प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर उनकी मौजूदगी बेहद कई मायनो में हानिकारक है। सितंबर] 2021 में आई 'वाल स्ट्रीट जर्नल' की रिपोर्ट द्वारा किये गये खुलासे के अनुसार इंस्टाग्राम के नुकसान के बारे में लिखित सूचना होने के बावजूद इस शोध के परिणामों को इरादतन आम जनता के बीच साझा नहीं किया गया। इसमें दो राय नहीं हो सकती कि ऐसा इंस्टाग्राम के कारोबार को नुकसान से बचाने के लिए किया गया। कुल मिलाकर कह सकते हैं कि कंपनी ने सामाजिक सरोकारों से किनारा ही किया। असल में देखा जाये तो वर्चुअल मंचों को संचालित करने वाली कंपनियों की लाभ कमाने की ऐसी नीतियां उनकी सरोकारी सोच के दावों और कथित अभिव्यक्ति की आज़ादी के वादों की हकीकत भी सामने रखती हैं। यही वजह है कि फेसबुक की मुनाफा जुटाने की जिस नीति की तुलना आज 'बिग टोबैको' से की जा रही है, उससे जुड़े शोध के परिणाम तक यूजर्स के साथ साझा नहीं किए गए। जबकि हकीकत यह है कि सारी दुनिया के हर हिस्से में बसे किशोर बच्चे इंस्टाग्राम पर अपना काफी समय बिताते हैं। प्यू रिसर्च सेंटर के सर्वेक्षण में इस बात का खुलासा हुआ है कि 89 प्रतिशत किशोरों ने माना है कि वे या तो ऑनलाइन ही रहते हैं या दिन में कई बार लॉग इन करते हैं। विचारणीय तथ्य तो यह भी है कि किशोरों की किसी भी अन्य सोशल मीडिया साइट की तुलना में इंस्टाग्राम पर लॉगइन करने की संभावना अपेक्षाकृत ज्यादा ही होती है। यही वजह है कि इस मंच पर टीनेजर्स की ज्यादा उपस्थिति और यहां बिताये जा रहे समय के चलते पैदा हो रही मन जीवन से जुड़ीं परेशानियों को साझा किया जाना बेहद जरूरी था।

निश्चित रूप से ऐसी जानकारियां अभिभावकों को बच्चों के भविष्य के प्रति सजग करने और किशोरों को उनके भले-बुरे सोचने के प्रति जागरूक बनाने के लिए जरूरी होती हैं। दरअसल, नशे की तरह लत लगाने वाले अधिकतर सोशल मीडिया मंच कुल मिलाकर इनसान की एक दिखावटी-बनावटी छवि रचने वाले माध्यम ही हैं। खासकर इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म तो चर्चित चेहरों और अपने दोस्तों को अनुसरण करने और अपनी जिन्दगी की मनचाही छवि पेश करने का ही मंच बनाया गया है। यही वजह है कि किशोरों को यह मंच ज्यादा आकर्षित भी करता है। वहीं दूसरी ओर उनके मनोविज्ञान पर नकारात्मक असर भी डालता है। इस बात को कई शोधपत्र तार्किक रूप से पुख्ता भी करते हैं कि किशोर इंस्टाग्राम का जितना ज्यादा इस्तेमाल करते हैं, उनकी मनोदशा उतनी ही ज्यादा प्रभावित होती है। टीनेजर्स में शारीरिक छवि से लेकर जीवन के प्रति संतुष्टि की सोच तक पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इंस्टाग्राम पर लोकप्रिय चेहरों और जाने-अनजाने दोस्तों की साझा की गईं तस्वीरें और आदर्श छवि देखकर किशोरों में खुद को कमतर आंकने और पीछे रह जाने की सोच जड़ें जमा लेती है। कुल मिलाकर उनमें कमतर होने का भाव व कुंठा को बढ़ावा मिलता है। वहीं कहीं न कहीं उनमें अपनी शारीरिक बनावट को लेकर हीनभावना आने लगती है। उनमें नकारात्मकता का विस्तार होता है। कह सकते हैं कि दूसरों से तुलना और ईर्ष्या का भाव पैदा होता है। जबकि जीवन का असली सच तो यह है कि आदर्श जीवन किसी के भी हिस्से में नहीं आता। नामी गिरामी हस्ती हो या आम इनसान, सभी के अपने संघर्ष और समस्याएं हैं। अफ़सोस कि स्क्रीन की दुनिया में समय बिता रहे किशोरों का मन यह नहीं समझ पाता। ऐसे में अभिभावकों का दायित्व है कि बड़े होते बच्चों को जीवन की हकीकत से रूबरू करवाएं। तस्वीरों और वास्तविकता के बीच का फ़र्क समझाएं। वर्चुअल दुनिया के बजाय असल जिंदगी में खुद को बेहतर बनाने और सजग-सक्रिय जीवन जीने की सीख दें। वर्चुअल मंचों की कारोबारी सोच से जूझने और किशोरों को दिशाहीन होने से बचाने के लिए यह जागरूकता जरूरी है। सरकारों को भी इन वर्चुअल मंचों की बेलगाम गतिविधियों पर जनहित में अंकुश लगाना चाहिए।

आज का राशिफल

मेष — **अर्थिक** पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पारिवारिक उत्सव में हिस्सेदारी लेंगे। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

वृषभ — पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। नेत्र विकार की संभावना है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मिथुन — जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। अपने सामान की सुरक्षा के प्रति सचेत रहें। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कर्क — व्यावसायिक क्षेत्र में व्यवधान आ सकते हैं। भारी व्यय की संभावना है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। संतान के कारण चिंतित रहेंगे।

सिंह — आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कन्या — जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। वाणी की सौम्यता आपको धन लाभ करायेगी। आर्थिक उन्नति के योग हैं। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला — व्यावसायिक क्षेत्र में व्यवधान आ सकते हैं। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ सकता है। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा।

वृश्चिक — पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। नए अनुबंध मिलेंगे। नेत्र विकार के प्रति सचेत रहें। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

धनु — व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

मकर — पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। आपके पराक्रम तथा प्रभाव में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कुम्भ — शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

मीन — राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत के पेरिस समझौते के लक्ष्य से बेहतर प्रदर्शन करने की संभावना: सीतारमण

वाशिंगटन:
वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से कहा है कि भारत वर्ष 2005 के स्तर से, 2030 तक अपने सकल घरेलू उत्पाद का 33-35 प्रतिशत उत्सर्जन कम करने के पेरिस जलवायु समझौते के लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में अग्रसर है। उन्होंने कहा कि 2030 तक 4,50,000 मेगावाट का भारत का महत्त्वाकांक्षी नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन क्षमता लक्ष्य जलवायु परिवर्तन के खिलाफ सफल वैश्विक अभियान में पासा पलटने वाला साबित होने वाला है। सीतारमण ने अंतरराष्ट्रीय मौद्रिक और वित्तीय समिति की बैठक में अपने संबोधन में कहा कि भारत प्रति व्यक्ति उत्सर्जन के मामले में शायद ही शीर्ष 100 देशों की सूची में आता है और इसका प्रति व्यक्ति ऊर्जा उपयोग विश्व औसत से आधे से भी कम है। उन्होंने कहा, ''फिर भी, भारत अपने पेरिस समझौते के लक्ष्यों को पूरा करने की दिशा में अग्रसर है, जो कि 2005 के स्तर से, 2030 तक उत्सर्जन को अपने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 33-35 प्रतिशत तक कम करना है। इस बात की बहुत अधिक संभावना है कि भारत इस लक्ष्य से बेहतर प्रदर्शन करेगा।'' वित्त मंत्री ने कहा, ''विद्युत उत्पादन क्षमता में गैर-जीवाश्म ईंधन की हिस्सेदारी लगभग 60 प्रतिशत तक पहुंचने वाली है, जो कि भारत के 40 प्रतिशत के संकल्प से अधिक है।'' सीतारमण ने कहा कि भारत ने 2030 तक 4,50,000 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन क्षमता के लक्ष्य के साथ दुनिया में सबसे महत्त्वाकांक्षी हरित ऊर्जा परियोजना शुरू की है, जो जलवायु परिवर्तन के खिलाफ भारत के अभियान में पासा पलटने वाला साबित हो सकता है और दुनिया के लिए जलवायु परिवर्तन की रोकथाम में मददगार होगा। उन्होंने कहा कि भारत और बाकी विकासशील देशों के लिए विकट चुनौती पर्याप्त और सस्ता वित्त तथा कम लागत वाली प्रौद्योगिकी तक पहुंच है।

एचडीएफसी बैंक का दूसरी तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ 18प्रतिशत बढ़कर 9,096 करोड़ रुपए पर

नई दिल्ली: एचडीएफसी बैंक का एकीकृत शुद्ध लाभ सितंबर, 2021 में समाप्त चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 18 प्रतिशत बढ़कर 9,096 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। देश के निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक ने इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 7,703 करोड़ रुपए का एकीकृत शुद्ध लाभ कमाया था। बैंक ने शनिवार को बयान में कहा कि तिमाही के दौरान उसकी कुल एकीकृत आय बढ़कर 41,436.36 करोड़ रुपए पर पहुंच गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 38,438.47 करोड़ रुपए थी। एकल आधार पर कराधान के लिए 3,048.3 करोड़ रुपए के बाद बैंक ने 8,834.3 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ कमाया है। यह इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही से 17.6 प्रतिशत अधिक है। एकल आधार पर एक साल पहले समान तिमाही में बैंक का शुद्ध लाभ 7,513.1 करोड़ रुपए रहा था। बयान में कहा गया है कि दूसरी तिमाही में बैंक की एकल आय बढ़कर 38,754.16 करोड़ रुपए हो गई, जो एक साल पहले समान तिमाही में 36,069.42 करोड़ रुपए थी।

टीसीएल ने पेश किया फुल-कलर माइक्रोएलईडी एआर ग्लास

बीजिंग। कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड टीसीएल ने चीन में पहला बाइनोकुलर फुल-कलर माइक्रोएलईडी एआर ग्लास थंडरबर्ड स्मार्ट ग्लासेस पायनियर एडिशन जारी किया है। जीएसएमअरेना की रिपोर्ट के अनुसार, फिलहाल टीसीएल ने एआर ग्लास की कीमत और उपलब्धता का खुलासा नहीं किया है। विनिर्देशों के संदर्भ में, इसमें एक माइक्रोएलईडी डिस्प्ले है और इसमें टीसीएल द्वारा इन-हाउस विकसित एक वेवगाइड है। थंडरबर्ड स्मार्ट ग्लास रंगीन स्क्रीन के साथ सामान्य धूप के चश्मे की तरह दिखते हैं जो पारदर्शी होते हैं और इनबिल्ट कैमरा के साथ आते हैं। ब्रांड ने थंडरबर्ड स्मार्ट ग्लासेस पायनियर संस्करण द्वारा पेश किए गए विशिष्टताओं का अवलोकन दिखाते हुए एक वीडियो भी साझा किया है। डिवाइस में 4यूएम (माइक्रोमीटर) पिक्सल के साथ एक माइक्रोएलईडी डिस्प्ले है। टीसीएल के नए स्मार्ट ग्लास का मुकाबला शाओमी के स्मार्ट स्पेक्ट्रम और फेसबुक के रे-बैन स्टोरीज स्मार्ट ग्लास से होगा। नए शाओमी स्मार्ट ग्लास का वजन केवल 51 ग्राम है, और यह वॉयस कमांड के लिए शिआओएआई एआई असिस्टेंट को सपोर्ट करता है। इसमें केवल 2.4 एक्स 2.02 मिमी की डिस्प्ले चिप है। एक माइक्रोस्कोप के तहत, शाओमी का कहना है कि डिस्प्ले मोटे तौर पर चावल के दाने के आकार का है, जिसमें अलग-अलग पिक्सल का आकार 4आईएम है। इसके अलावा, फेसबुक ने रे-बैन के साथ साझेदारी में हाल ही में अपना पहला स्मार्ट ग्लास रे-बैन स्टोरीज नाम से लॉन्च किया। फेसबुक और एसिलरलक्सोटिया के साथ साझेदारी में निर्मित, रे-बैन स्टोरीज 299 डॉलर से शुरू होती हैं और 20 स्टाइल संयोजनों में ऑनलाइन और यूएस के साथ-साथ ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, आयरलैंड, इटली और यूके में चुनिंदा खुदरा स्टोरों में खरीदने के लिए उपलब्ध होंगी। फ्रेम में वीडियो और फोटो कैप्चर करने के लिए दो-सामने वाले 5एमपी के कैमरे हैं। रिकॉर्डिंग के लिए चश्मे पर एक भौतिक बटन होता है या कोई भी कह सकता है उन्हें हाथों से मुक्त करने के लिए हे फेसबुक, एक वीडियो ले लो।

900 चिपसेट की डाइमेंसिटी के साथ आएगा आईक्यू जेड5एक्स

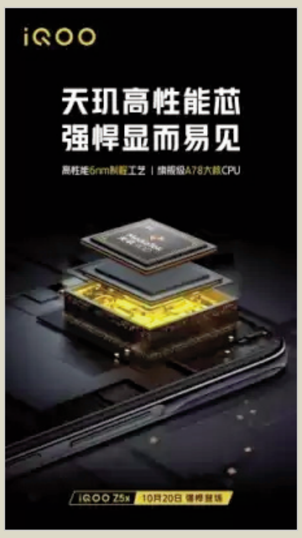

बीजिंग। आईक्यू 20 अक्टूबर को चीन में अपने लेटेस्ट जेड-सीरीज स्मार्टफोन,आईक्यू जेड5एक्स को लॉन्च करने के लिए पूरी तरह तैयार है और अब कंपनी ने एक लेटेस्ट टीजर इमेज में पुष्टि की है कि स्मार्टफोन मीडियाटेक डाइमेंसिटी 900 चिपसेट द्वारा संचालित होगा। डाइमेंशन 900 एक 5जी सक्षम चिप है जिसे 6एनएम प्रक्रिया पर बनाया गया है इसमें दो कोरटेक्स-ए78 पावर कोर 2.4गीगाहट्र्ज पर और छह कोरटेक्स-ए55 यूनिट 2 गीगीहट्र्ज पर चलने के लिए क्लॉक किए गए हैं। जीपीयू साइड को आर्म माली-जी68.जेड5एक्स द्वारा कवर किया गया है। इसमें एक साइड-माउंटेड फिंगरप्रिंट स्कैनर और एक हेडफोन जैक भी होगा। वीवो चाइना की वेबसाइट पर शेयर की गई टीजर इमेज से पता चलता है कि हैंडसेट दो कलर ऑप्शन में आएगा। आने वाले स्मार्टफोन में 6.58 इंच का फुल-एचडी प्लस (1080एक्स2408 पिक्सल) टीएफटी स्क्रीन 20-9 आस्पेक्ट रेशियो और हाई रिफ्रेश रेट के साथ आने की उम्मीद है। प्रकाशिकी के संदर्भ में, स्मार्टफोन एक डुअल रियर कैमरा सेटअप से लैस होगा जिसमें 50एमपी का मुख्य सेंसर और 2एमपी का सेकेंडरी स्नैपर होगा। सेल्फी और वीडियो कॉलिंग के लिए 8एमपी का फ्रंट-फेसिंग कैमरा हो सकता है। इसके अलावा, यह एंड्रॉइड 11 ओएस पर चलेगा और 44वॉट फास्ट-चार्जिंग सपोर्ट के साथ 5,000 एमएएच का बैटरी पैकअप देगा।

डी-मार्ट का सितंबर तिमाही का शुद्ध लाभ दोगुना होकर 417.76 करोड़ रुपए पर

नई दिल्ली: डी-मार्ट नाम से खुदरा श्रृंखला का संचालन करने वाली एवेन्यू सुपरमार्ट्स लि. ने शनिवार को बताया कि सितंबर, 2021 को समाप्त चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ दोगुना होकर 417.76 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। एवेन्यू सुपरमार्ट्स ने बीएसई को भेजी सूचना में यह जानकारी दी। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी ने 198.53 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ कमाया था। कंपनी ने बताया कि चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में उसकी परिचालन आय 46.79 प्रतिशत बढ़कर 7,788.94 करोड़ रुपए हो गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 5,306.20 करोड़ रुपए थी। वही आलोच्य तिमाही के दौरान कंपनी का कुल खर्च भी 43.63 प्रतिशत की बढ़त के साथ 7,248.74 करोड़ रुपए हो गया। इससे पिछले वर्ष की समान तिमाही में यह 5,046.69 करोड़ रुपए था। कंपनी ने कहा, ''वित्त वर्ष 2021-22 की पहली छमाही में उसकी कुल आय 12,972 करोड़ रुपए रही, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 9,189 करोड़ रुपए थी।÷ वही एकल आधार पर एवेन्यू सुपरमार्ट्स की परिचालन आय समीक्षाहीन तिमाही के दौरान 46.6 प्रतिशत बढ़कर 7,649.64 करोड़ रुपए हो गई। यह वित्त वर्ष 2020-21 की जुलाई-सितंबर तिमाही में 5,218.15 करोड़ रुपए थी।

कोविड-19 संकट से सीखे गए सबक पर निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी: सीतारमण

वाशिंगटन (एजेंसी):

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत ने कोविड-19 संकट से जो सबक सीखे हैं उन पर निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि महामारी के बाद दुनिया पहले की तरह नहीं होगी। सीतारमण ने कहा कि कोविड-19 की दूसरी लहर आने से बहुत पहले सरकार ने प्रोत्साहन पैकेज दिया था और वह अर्थव्यवस्था के फिर से पटरी पर लौटने का इंतजार कर रही थी। सीतारमण ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक में अपनी बैठकें खत्म होने के बाद भारतीय पत्रकारों के एक समूह को बताया कि उस चरण के दौरान और दूसरी लहर के बाद, उन्होंने जो कोई भी कदम उठाया उसके लिए ''उनके पास निर्भर रहने के लिए कोई मिसाल'' नहीं थी। वित्त मंत्री ने कहा, ''मेरे हिसाब से (कोविड-19 संकट से सीखे गए) सबक पर निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी।'' सीतारमण ने कहा कि वे उस तरह के उपाय नहीं थे, जो भारत अकेले कर रहा था। उन्होंने कहा कि दुनिया का हर देश इस संकट से प्रभावित हुआ है। वित्त मंत्री ने कहा, ''इसलिए, तुरंत पीछे पलटकर देखने और पिछले साल के अनुभव पर गौर करने के मामले में मुझे लगता है कि यह कहना थोड़ा जल्दबाजी होगी कि इसे बेहतर तरीके से संभाला जा सकता था।' सीतारमण ने कहा, ''जैसा कि मैंने कहा कि पहले से कोई उदाहरण नहीं था और इस छोटी सी डेढ़ साल की अवधि से इसका आकलन करने पर इसकी गुंजाइश सीमित हो सकती है।'' एक सवाल पर वित्त मंत्री ने कहा कि महामारी के बाद की दुनिया पहले की तरह नहीं होने वाली। सीतारमण ने कहा, ''भारत की प्राथमिकताएं निश्चित रूप से इस तथ्य के आधार पर हैं जैसा कि हममें से अधिकांश इस बात पर सहमत होंगे कि महामारी के बाद यह वास्तव में वही दुनिया नहीं होगी, चाहे वह विनिर्माण का क्षेत्र हो या श्रम का क्षेत्र।'' उन्होंने कहा कि मुद्दे पहले की तुलना में काफी अलग होने जा रहे हैं। सीतारमण ने कहा कि वर्तमान में दुनिया भर में बहुत सारे बदलाव हो रहे हैं। वित्त मंत्री ने कहा, ''किसी एक क्षेत्र की बात नहीं है, हर क्षेत्र में ऐसा हो रहा है। वैश्विक संस्थानों में निश्चित रूप से बहुत विचार हुआ है। यह भी देखा जा रहा है कि कैसे राष्ट्रों के बीच अधिक से अधिक तालमेल हो सकता है ताकि संसाधनों का बेहतर उपयोग किया जा सके।'' वित्त मंत्री ने कहा, ''और जहां तक भविष्य में महामारी या ऐसी आपात स्थिति के लिए तैयार होने के मुद्दे हैं, जहां देशों को एक दूसरे की मदद करने की जरूरत होगी, तो इस बार हमने जो किया, उससे बेहतर करने का तरीका होगा।''

प्रॉपर्टी मार्केट मुंबई में फेस्टिव सीजन की धमाकेदार शुरुआत, डेली 400 से अधिक अपार्टमेंट्स की हुई रजिस्ट्री

मुंबई (एजेंसी):

देश के सबसे बड़े प्रॉपर्टी मार्केट मुंबई में फेस्टिव सीजन की धमाकेदार शुरुआत हुई है। शहर में नवरात्रि के दौरान रोजाना 400 से अधिक अपार्टमेंट्स की रजिस्ट्री हुई। यह स्थिति तब है जब स्टांप ड्यूटी पर छूट खत्म हो गई है। होम लोन के रेट्स के रिकॉर्ड लो पर पहुंचने और रियल्टी कंपनियों के आकर्षक फेस्टिव सीजन ऑफर्स से नवरात्रि में प्रॉपर्टी की बिक्री बढ़ाने में मदद मिली। इस दौरान शहर में कुल 3,205 प्रॉपर्टीज की रजिस्ट्री हुई।

Knight Frank India की एक स्टडी के मुताबिक अगस्त और सितंबर में मुंबई में रोजाना क्रमशः 219 और 260 यूनिट्स की रजिस्ट्री हुई। इससे पहले शहर में स्टांप ड्यूटी में छूट दी गई थी जो 31 मार्च को खत्म हो गई। माना जा रहा है कि इससे मुंबई में रेजिडेंशियल प्रॉपर्टी सेल्स की बिक्री में तेजी आई लेकिन कोरोना की दूसरी लहर के दौरान यह छूट खत्म कर दी गई जिससे प्रॉपर्टीज की बिक्री प्रभावित हुई लेकिन उसके बाद से शहर में हाउसिंग मार्केट के रिवाइवल के संकेत दिखने शुरू हो गए हैं।

बिक्री में तेजी दिवाली तक जारी रहने की उम्मीद

Knight Frank India के सीएमडी शिशिर बैजल ने कहा कि करीब 5 साल तक फेस्टिव सीजन के दौरान उत्साहजनक बिक्री नहीं रही लेकिन लग रहा है कि इस बार यह सिलसिला टूट गया है। यह बिक्री के लिहाज से बेस्ट सीजन रह सकता है। यह देखना उत्साहजनक है कि स्टांप-ड्यूटी इनसेंटिव के बिना फेस्टिव सीजन में रोजाना औसत रजिस्ट्रेशन में तेजी आई है। आरबीआई ने नीतिगत दरों में लगातार 8वीं बार कोई बदलाव नहीं किया है और डेवलपर्स आकर्षक ऑफर्स लेकर आए हैं। इससे बिक्री में एक बार फिर तेजी आ रही है। इस साल जुलाई और अगस्त में कुल बिक्री 2018 और 2019 की समान अवधि की तुलना में अधिक रही।

The Guardians Real Estate Advisory के जॉइंट डायरेक्टर राम नाइक ने कहा कि फेस्टिव सीजन की धमाकेदार शुरुआत हुई है। होमबायर्स अनुकूल परिस्थितियों का पूरा लाभ उठा रहे हैं। होम लोन की ब्याज दरें रेकॉर्ड लो पर हैं और प्रॉपर्टीज की कीमत भी किफायती है। हमने पिछले 8 दिनों में 1200 करोड़ रुपये से अधिक के अपार्टमेंट्स बेचे हैं। इनमें से 750 करोड़ रुपए लक्जरी और सेमी-लक्जरी सेगमेंट्स से आए हैं। सस्ते और मिड-इनकम सेगमेंट भी बिक्री बढ़ी है।

हीरो माइस्ट्रो एज 125 के लिए पेश किया हीरो कनेक्ट एप

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

दुनिया स्मार्ट होती जा रही हैं, इसकारण कार और बाइक के फीचर्स भी स्मार्ट होते जा रहे हैं। इसी कोशिश में हीरो मोटोकॉर्प ने अपनी कई बाइक के बाद पॉपुलर स्कूटर हीरो माइस्ट्रो एज 125 के लिए भी हीरो कनेक्ट एप पेश किया गया है,इसके पहले कंपनी ने हीरो एक्सप्लस 200,हीरो स्ट्रीम 160आर ,हीरो डेस्टिनी 125, हीरो प्लेजर प्लस और हीरो प्लेजर प्लस प्लेटिनम जैसे स्कूटर के लिए हीरो कनेक्ट एप पेश किया था। हीरो कनेक्ट एप के फीचर्स काफी शानदार हैं, इसकी मदद से आप अपने स्कूटर को ट्रैक कर सकते हैं। हीरो माइस्ट्रो एज 125 के लिए लांच हीरो कनेक्ट एप की कीमत 4,999 रुपये है,इस किट को हीरो की डीलरशिप पर जाकर खरीद कर अपने स्कूटर में लगवा सकते हैं। हीरो कनेक्ट एप की मदद से आप अपने स्कूटर की गतिविधियों को एप के द्वारा स्मार्टफोन पर देख सकते हैं। इसमें स्कूटर के अंदर ई-सिम और टेलिमैटिक्स हार्डवेयर इंसर्ट किए जाते हैं और इसके बाद आप अपने स्मार्टफोन पर हीरो कनेक्ट एप के जरिये राइडर सेफ्टी वीइकल सेफ्टी और ड्राइविंग रिपोर्ट्स से जुड़ीं जानकारियां हासिल कर सकते हैं।

विश्लेषकों ने चेताया, तेजी से बढ़ने वाले शेयरों में तेज बिकवाली की जोखिम

बिजनेस डेस्क: महंगाई में तेजी रहने की आशंका के बीच विश्लेषकों ने दुनिया भर के शेयर बाजारों पर इसके असर के बारे में आगाह किया है। जिंस, खास तौर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से यह चिंता और बढ़ गई है। कच्चा तेल इस हफ्ते 84 डॉलर प्रति बैरल को पार कर गया जो तीन साल में इसका उच्चतम स्तर है और एक साल पहले से इसके दाम करीब 96 फीसदी बढ़ चुके हैं।

मुद्रास्फीति में आ सकता है जोरदार उछाल

जेफरीज के इक्विटी स्ट्रैटजी के वैश्विक प्रमुख क्रिस्टोफर वुड ने हाल ही में निवेशकों को लिखे नोट में कहा है, 'इन सबका मतलब शेयरों में जोखिम का बढ़ना है, विशेष तौर पर उच्च मूल्य वाले शेयरों में। मुद्रास्फीति बढ़ने और फेडरल रिजर्व द्वारा नीतियों को सख्त किए जाने की चिंता में बिकवाली शुरू हो सकती है। कच्चे तेल के दाम में ऐसी ही तेजी बनी रही तो मुद्रास्फीति में जोरदार उछाल आ सकता है।'

मिड और स्मॉल कैप में आई जबरदस्त तेजी

कोविड महामारी के मद्देनजर अर्थव्यवस्था को सहारा देने के लिए फेडरल रिजर्व सहित दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों ने मौद्रिक नीतियों को नरम बनाया था। इससे उभरते बाजारों के शेयरों को बहुत फायदा हुआ है। इस साल सेंसेक्स 28 फीसदी से ज्यादा और निफ्टी 31 फीसदी मजबूत हुआ है। मिड और स्मॉल कैप में भी जबरदस्त तेजी आई है। इस साल अब तक मिडकैप 50 फीसदी और स्मॉलकैप 65 फीसदी से ज्यादा चढ़ चुका है।

यह भी है चिंता का कारण

दूसरी ओर कच्चे तेल और कोयले तथा गैस के दाम में तेजी ने ज्यादातर अर्थव्यवस्थाओं को चिंतित कर दिया है। भारत भी इससे अछूता नहीं है क्योंकि बिजली उत्पादन के लिए यह काफी हद तक कोयला पर निर्भर है। नोमुरा के विश्लेषकों ने भी मुद्रास्फीति को लेकर इसी तरह के विचार साझा किए हैं। नोमुरा के वैश्विक वृहद आंकड़ों के शोध प्रमुख और बाजार शोध के सह-प्रमुख रॉब सुब्बारमन ने रेबेका वांग के साथ तैयार अपनी रिपोर्ट में कहा है, 'आपूर्ति पक्ष की ओर से किल्लत - सेमीकंडक्टर से लेकर ऊर्जा तक की कमी और प्रोत्साहन की नीति जारी रहने तथा अमेरिकी अर्थव्यवस्था में सुधार से बेरोजगारी दर कम होगी और वेतन से संबंधित महंगाई बढ़ सकती है.

2022 की शुरुआत में कथित तौर पर अपना फोन लॉन्च करेगी नथिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)।

लंदन स्थित उपभोक्ता प्रौद्योगिकी ब्रांड नथिंग कथित तौर पर अपने ईयर (1) ईयरबड्स की सफलता के बाद 2022 की शुरुआत में अपना फोन लॉन्च करने की योजना बना रही है। एक नए फोन के अलावा, नथिंग अपना पावर बैंक विकसित नहीं कर रहा है जिसे नथिंग पावर (1) कहा जाता है। एंड्रॉइड सेंट्रल की रिपोर्ट के अनुसार, पावर बैंक साल के अंत से पहले लॉन्च होने की उम्मीद है। रिपोर्ट में फोन के प्रमुख स्पेक्स या फीचर्स के बारे में कोई विवरण शामिल नहीं है, इसके क्वालकॉम स्नैपड्रैगन चिपसेट द्वारा संचालित होने की संभावना है। इस सप्ताह की शुरुआत में फर्म ने घोषणा की कि उसने रणनीतिक और निजी निवेशकों से 50 मिलियन डॉलर जुटाए हैं और अपने आगामी उत्पादों को शक्ति देने के लिए चिप-निर्माता क्वालकॉम के साथ सहयोग किया है। स्टार्टअप ने कहा कि वह अपने पारिस्थितिकी तंत्र के हिस्से के रूप में नई उत्पाद श्रेणियों में ब्रांड के प्रवेश की तैयारी में अनुसंधान और विकास के लिए धन का उपयोग करेगा। नथिंग के संस्थापक कार्ल पेई ने कहा, हम नथिंग के अगले चरण के विकास को हासिल करने के लिए क्वालकॉम टेक्नोलॉजीज और हमारे रणनीतिक निवेशकों के साथ काम करने के लिए तत्पर हैं। जीवी (पूर्व में गूगल वेंचर्स) और टोनी फेडेल (फ्यूचर शेप के प्रिंसिपल और आईपॉड के आविष्कारक), केसी नीस्टैट (यूट्यूब व्यक्तित्व और बेमे के सह-संस्थापक), केविन लिन (ट्विच के सह-संस्थापक) और स्टीव हफमैन (रेडिट के सह-संस्थापक और सीईओ) सहित अन्य निजी निवेशकों के समर्थन के साथ नथिंग निजी तौर पर आयोजित कंपनी है।

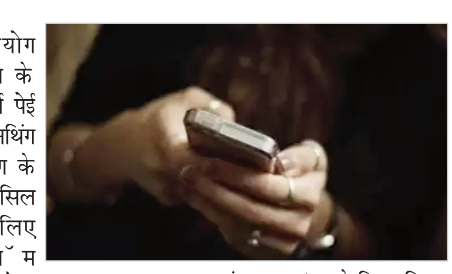

तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डा अडानी ग्रुप के हाथों में, स्थानीय सांसद थरूर को बेहतरी की आस

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी):

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शुक्रवार को कहा कि अडानी ग्रुप द्वारा तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का संचालन एवं प्रबंधन अपने हाथ में लेने के बाद वह बेहतरी की उम्मीद कर रहे हैं। तिरुवनंतपुरम के सांसद ने कहा कि यदि ग्रुप केरल के राजधानी शहर तिरुवनंतपुरम और उसके आसपास के विकास को ध्यान में रखकर काम करता है तो लोग उसका समर्थन करेंगे। उन्होंने कहा कि विकास हड़तालों के जरिए धरातल पर नहीं उतरता है, तिरुवनंतपुरम की प्रगति के लिए यहां से संचालित उड़ानों एवं विमानों की संख्या बढ़ाने के साथ साथ साफ-सुथरा हवाई अड्डा एवं उच्च मानदंड वाले उपकरणों की जरूरत है। हवाई अड्डों के निजीकरण के पक्ष में अपना विचार सामने रखते हुए थरूर ने कहा, '' मैं बेहतरी की उम्मीद करते हुए आगे बढ़ता हूं।ग्रुप द्वारा इस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का प्रबंधन अपने हाथ में लेने की घोषणा करने के एक दिन बाद कांग्रेस सांसद ने कहा कि यदि निजी कंपनी लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरती है तो उसे उनका समर्थन मिलेगा। वैसे केरल के सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा एवं कांग्रेस नीत विपक्षी संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा ने अडानी ग्रुप को इस हवाई अड्डे को सौंपे जाने का विरोध कया है लेकिन थरूर अपने इस रूख पर कायम हैं कि निजीकरण से शहर एवं उसके आसपास के क्षेत्रों का विकास होगा। अपने इस रूख से वह न केवल वामदलों बल्कि अपनी पार्टी कांग्रेस के निशाने पर भी हैं। अभिनेता से नेता बने और राज्यसभा सदस्य सुरेश गोपी ने भी हवाई अड्डे के निजीकरण का स्वागत किया। उन्होंने कहा, '' यह सकारात्मक कदम है। '' हवाई अड्डे को इस ग्रुप का बेचे जाने के आरोप का खंडन करते हुए गोपी ने कहा कि बस हवाई अड्डे का प्रशासन उसे दिया गय है। पिछले साल केरल विधानसभा ने इस हवाई अड्डे के निजीकरण के विरूद्ध प्रस्ताव पारित किया था और मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने अडानी ग्रुप द्वारा इसे लिये जाने की आलोचना की थी।

लैपटॉप कंपनी ने आयात मूल्य को कम दिखाकर किया करोड़ों का घपला, जानिए क्या है मामला

(एजेंसी):

आयकर विभाग ने लैपटॉप और मोबाइल फोन के एक व्यापारी पर छापेमारी के दौरान बड़ी मात्रा में आयात बिल या चालान (इन्वॉयस) को कम कर दिखाने के मामले का पता लगाया है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने शनिवार को यह जानकारी दी।

सीबीडीटी के अनुसार, 10 अक्टूबर को दिल्ली-एनसीआर समेत हरियाणा और पश्चिम बंगाल के कई इलाकों में इस संबंध में छापेमारी की गई। आयकर विभाग के लिए नीति बनाने वाली संस्था सीबीडीटी ने एक बयान में कहा, ÷तलाशी के दौरान मिले और जब्त किए गए सबूतों से पता चलता है कि विदेशी माल भेजने वालों को इस तरह के कम कर दिखाए गए बिलों का भुगतान हवाला के जरिए किया गया है।'' उसने कहा कि छापेमारी में लगभग पूरा कारोबार इसी तरह की तौर-तरीकों से चलता पाया गया है। इस दौरान 2.75 करोड़ रुपए की बेहिसाब नकदी भी जब्त की गई है। कर अधिकारियों ने पाया कि इस व्यापार समूह ने मुखौटा कंपनियों के जरिये कम मूल्य दिखाकर आयात किया।

जांच में यह तथ्य सामने आयात कि इस समूह ने तीन साल के दौरान सिर्फ 20 करोड़ रुपए का आयात दिखाया है जबकि इस अवधि के दौरान आयात का मूल्य 2,000 करोड़ रुपए से अधिक हो सकता है।

पाकिस्तान खेलने जाएगी टीम इंडिया! 2023 में एशिया कप की मेजबानी करेगा पाकिस्तान, बीसीसीआई ने भी किया समर्थन

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पाकिस्तान 2023 में एशिया कप की मेजबानी करेगा। दुबई में एशियन क्रिकेट काउंसिल की बैठक के बाद यह फैसला लिया गया। बैठक में एसीसी के अध्यक्ष और बीसीसीआई के सचिव जय शाह मौजूद रहे। जानकारी के मुताबिक एशिया कप वनडे फॉर्मेट में खेला जाएगा। मतलब की 50-50 ओवर का होगा। इसके अलावा इस बैठक में यह फैसला लिया गया कि 2024 के एशिया कप की मेजबानी श्रीलंका करेगा। बताया जा रहा है कि जय शाह ने यह भी कहा कि किसी दूसरे देश की जगह एशिया कप पाकिस्तान में ही होना चाहिए। इसको लेकर बीसीसीआई और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की तरफ से भी पुष्टि कर दी गई है।

भारत जाएगा पाकिस्तान

क्रिकबज की खबर के मुताबिक पाकिस्तान में एशिया कप का आयोजन होगा तो भारत उस में भाग लेने के लिए पाकिस्तान का दौरा करेगा। भारत ने 2008 के बाद पाकिस्तान का दौरा नहीं किया है। लेकिन बताया जा रहा है कि 2023 में एशिया कप के दौरान भारत और पाकिस्तान का मुकाबला होगा जिसके लिए टीम इंडिया पाकिस्तान का दौरा करेगी। गौरतलब है कि 2023 में वनडे वर्ल्ड कप का आयोजन भारत में होना है। ऐसे में पाकिस्तान भारत आएगा। फिलहाल दोनों देश टी-20 विश्व कप में दुबई में भीड़ने जा रहे हैं।

पाकिस्तान के लिए बड़ी उपलब्धि

कुल मिलाकर देखें तो जब पाकिस्तान के लिए यह बड़ी उपलब्धि है। उसे एशिया कप की मेजबानी ऐसे समय में हासिल हुई है जब इंग्लैंड और न्यूजीलैंड की टीम पाकिस्तान में खेलने से इंकार कर चुकी है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष रमीज राजा ने भी इसे बड़ी उपलब्धि बताया है। इस बार का टी20 वर्ल्ड कप भारत की मेजबानी में यूएई में खेला जा रहा है जबकि अगले साल टी-20 विश्व कप का आयोजन ऑस्ट्रेलिया में होगा।

29 साल के भारतीय क्रिकेटर अवि बरोट का दिल का दौरा पड़ने से निधन, 53 गेंदों पर ठोके थे 122 रन

नई दिल्ली (एजेंसी)।

सौराष्ट्र के पूर्व अंडर -19 कप्तान और 2019-20 सीजन में रणजी ट्रॉफी जीतने वाली टीम के सदस्य, सौराष्ट्र के बल्लेबाज अवि बरोट का 29 साल की कम उम्र में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। अवि बरोट के निधन की जानकारी राष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन (एससीए)ने दी है।

सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन ने एक बयान में कहा सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन में हर कोई सदमें में हैं। क्रिकेटर अवि बरोट का निधन बेहद चौंकाने वाले है। हम असामयिक और बेहद दुखद निधन पर गहरा स्तब्ध और दुखी है। वह गंभीर हृदय गति रूकने के कारण 15 अक्टूबर 2021 की शाम को हम सब को छोड़ कर चले गये।

अवि ने 38 प्रथम श्रेणी मैच, 38 लिस्ट ए मैच और 20 घरेलू टी20 खेले थे। वह सौराष्ट्र के विकेटकीपर बल्लेबाज थे। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने 21 रणजी ट्रॉफी मैच, 17 लिस्ट ए मैच और 11 घरेलू टी 20 मैच खेले थे।

एससीए अध्यक्ष जयदेव शाह ने बरोट के निधन पर शोक व्यक्त किया। बरोट रणजी ट्रॉफी जीतने वाली सौराष्ट्र टीम का हिस्सा थे, जिसने शिखर संघर्ष में बंगाल को हराया था। सौराष्ट्र के लिए, उन्होंने 21 रणजी ट्रॉफी मैच, 17 लिस्ट ए मैच और 11 घरेलू टी 20 मैच खेले।

बरोट 2011 में भारत के अंडर -19 कप्तान थे और इस साल की शुरुआत में, उन्होंने गोवा के खिलाफ सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी मैच के दौरान सिर्फ 53 गेंदों में 122 रन की शानदार पारी खेलकर ध्यान खींचा।

टी-20 वर्ल्ड कप: इन खिलाड़ियों के दम पर विश्व विजेता बनने उतरेगी टीम इंडिया

नई दिल्ली। आईपीएल 2021 के समाप्त होने के साथ ही पूरे देश को अब टी-20 विश्वकप का इंतजार है। टी20 विश्व कप 2021 की शुरुआत भारत के लिए 24 सितंबर को पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले के साथ होगी। हालांकि, उससे पहले भारत को दो प्रैक्टिस मैच भी खेलना है। इन सबके बीच भारतीय टीम को इस बार ञ्20 विश्वकप का सबसे मजबूत दावेदारों में से एक माना जा रहा है। इसके लिए 15 सदस्य टीम का भी ऐलान कर दिया गया है। साथ ही साथ तीन रिजर्व खिलाड़ी भी जोड़े गए हैं। कुल मिलाकर देखें तो 18 खिलाड़ी टीम इंडिया के ड्रेसिंग रूम में मौजूद रहेंगे। हालांकि, आईपीएल में शानदार प्रदर्शन करने वाले कुछ गेंदबाजों को नेट प्रैक्टिस के लिए यूएई में रोका गया है। इसका मतलब यह है कि कुछ खिलाड़ी भारतीय गेंदबाजों को प्रैक्टिस में गेंदबाजी करते हुए नजर आएंगे।

हम आपको टीम इंडिया के उन 15 खिलाड़ियों के बारे में बता रहे हैं जिनका चयन टी-20 विश्वकप के लिए हुआ है। वर्तमान में उनका फॉर्म कैसा है और उनसे हम किस तरह की उम्मीद करते हैं इसके बारे में भी बताएंगे। सबसे पहले तो उन खिलाड़ियों का नाम आपको बता देते हैं जिनका चयन टी-20 विश्व कप के लिए हुआ है-

बल्लेबाज: विराट कोहली (कप्तान), रोहित शर्मा (उप-कप्तान), केएल राहुल, सूर्यकुमार यादव

विकेटकीपर: ऋषभ पंत, ईशान किशन

ऑल राउंडर: हार्दिक पांड्या, रवींद्र जडेजा

स्पिनर्स: राहुल चाहर, रविचंद्रन अश्विन, वरुण चक्रवर्ती

तेज गेंदबाज: जसप्रीत बुमराह, भुवनेश्वर कुमार, मोहम्मद शमी, शार्दुल ठाकुर

रिजर्व खिलाड़ी: श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल, दीपक चाहर

भारतीय क्रिकेट टीम जितना समर्थन किसी भी टीम को नहीं मिलता: गांगुली

पणजी। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सौरभ गांगुली ने शनिवार को कहा कि जिस तरह का समर्थन भारतीय क्रिकेट टीम को मिलता है, उतना दुनिया की किसी भी खेल टीम को नहीं मिलता। गांगुली फैंटेसी प्लेटफॉर्म माई11 सर्कल पर आईसीसी टी20 विश्व कप को देखते हुए कैंपन की शुरुआत करने के लिए गेम्स 24इंटु7 द्वारा आयोजित एक ऑनलाइन कांफ्रेंस में बोल रहे थे। गांगुली माई11 सर्कल के ब्रांड एंबेस्डर हैं। गांगुली ने ऑनलाइन कांफ्रेंस में कहा, अगर भारत में क्रिकेट एक धर्म है, तो प्रशंसक सबसे बड़े भक्त हैं। उनका निरंतर समर्थन और जिस उत्साह के साथ वे अपनी टीम और पसंदीदा क्रिकेटरों का अनुसरण करते हैं, यह क्रिकेट को एक राष्ट्रीय जुनून के रूप में दर्शाने में सबसे महत्वपूर्ण फैक्टर रहा है जो हमारे देश को एकजुट करता है। उन्होंने कहा, एक खिलाड़ी और भारतीय टीम के कप्तान के रूप में, मैं बता सकता हूं कि भारतीय क्रिकेट टीम को जिस तरह का समर्थन मिलता है, वह दुनिया भर की किसी भी खेल की टीम के लिए अभूतपूर्व है।

शास्त्री युग होगा खत्म, टीम इंडिया के कोच बनेंगे राहुल द्रविड़, गांगुली-शाह से बातचीत के बाद भरी हामी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज रहे राहुल द्रविड़ अब टीम इंडिया के नए कोच होंगे। बताया जा रहा है कि शुक्रवार को आईपीएल फाइनल के दौरान बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली और सचिव जय शाह के साथ राहुल द्रविड़ की लंबी बैठक हुई थी। इस बैठक के बाद राहुल द्रविड़ टीम इंडिया का कोच बनने के लिए राजी हो गए। इसके साथ ही भारतीय क्रिकेट टीम के नए कोच की तलाश खत्म होती दिखाई दे रही है। साथ ही साथ रवि शास्त्री का भी युग खत्म हो जाएगा। राहुल द्रविड़ उन्हें रिप्लेस करेंगे। बताया जा रहा है कि राहुल द्रविड़ टीम इंडिया का कोच बनने के लिए पूरी तरीके से सहमत हो गए हैं।

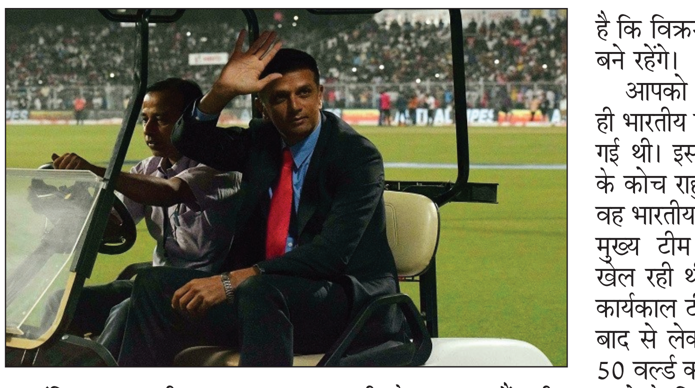

हालांकि अभी कुछ औपचारिकताएं बाकी है। उसके बाद इसकी घोषणा कर दी जाएगी।

यह खबर बीसीसीआई के सूत्रों के हवाले से है। बताया यह भी जा रहा है कि पारस म्हाम्ब्रे को बॉलिंग कोच चुना गया है। फिलहाल देखे तो राहुल द्रविड़ बेंगलुरू स्थित नेशनल क्रिकेट अकादमी के अध्यक्ष हैं। टीम इंडिया का कोच बनते ही राहुल द्रविड़ एनसीए का अध्यक्ष पद छोड़ देंगे। वर्तमान में देखे तो बीसीसीआई ने आधिकारिक रूप से कोच पद के लिए कोई आवेदन नहीं निकाला है। फिलहाल फील्डिंग कोच पर रिप्लेसमेंट का फैसला नहीं हो सका है। जबकि बताया जा रहा है कि विक्रम राठौर बैटिंग कोच बने रहेंगे।

आपको बता दें कि हाल में ही भारतीय टीम श्रीलंका दौरे पर गई थी। इस दौरान टीम इंडिया के कोच राहुल द्रविड़ थे। बाकी वह भारतीय मुख्य टीम नहीं थी। मुख्य टीम इंग्लैंड में सीरीज खेल रही थी। राहुल द्रविड़ का कार्यकाल टी-20 वर्ल्ड कप के बाद से लेकर 2023 के 50-50 वर्ल्ड कप तक रहेगा। कोच बनने के लिए इसमें कई दिग्गज शामिल थे। लेकिन बीसीसीआई भारतीयों को ज्यादा महत्व दे रहा था। वीवीएस लक्ष्मण, जहीर खान और वीरेंद्र सहवाग जैसे दिग्गज खिलाड़ी भी टीम इंडिया के कोच बनने की रेस में थे। हालांकि अब राहुल द्रविड़ ने कोच होंगे।

टी20 विश्व कप का खिताब जीतने के लिए बेताब है ऑस्ट्रेलिया: फिंच

दुबई।(एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलिया के सीमित ओवरों के कप्तान आरोन फिंच ने कहा है कि उनकी टीम टी20 विश्व कप का खिताब जीतने के लिए बेताब है।

ऑस्ट्रेलिया को 23 अक्टूबर को सुपर-12 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबला खेलना है। उनकी तैयारियां हालांकि उम्मीद के अनुरुप नहीं रही हैं क्योंकि कंगारू टीम को वेस्टइंडीज और बांग्लादेश के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। फिंच ने कहा, खिताब जीतना बड़ा होगा। यह ऐसा है जो हमारे पास नहीं है। कई बार हम इसे जीतने के करीब रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया को 2007 में सेमीफाइनल में भारत ने हराया था। इसके तीन साल बाद भी टीम सेमीफाइनल में पहुंची जहां उसे इंग्लैंड ने हराया। फिर उसे 2012 में वेस्टइंडीज ने सेमीफाइनल में हराया। फिंच ने आईसीसी क्रिकेट डॉट कॉम से कहा, हम अभी भी इसमें जाने के लिए बहुत आश्वस्त हैं। हमारे पास एक ऐसी टीम है जिसने बहुत अधिक टी20 खेला है। हर टीम कोई भी मैच जीत सकती है, हम जानते हैं कि टी20 क्रिकेट में सभी टीमों में मैच विजेता हैं इसलिए हमें बस सही समय पर काम करना है। ऑस्ट्रेलिया की तरह दक्षिण अफ्रीका की टीम भी अबतक टी20 विश्व कप का खिताब नहीं जीत सकी है। वह 2009 और 2014 में सेमीफाइनल तक पहुंची थी।

बार्सिलोना के साथ 4 साल के नए करार के बाद महत्वाकांक्षी हुए प्रेडी

मेड्रिड। एफसी बार्सिलोना के खिलाड़ी प्रेडी ने क्लब के साथ चार साल का नया करार किया है और कहा है कि उनका लक्ष्य क्लब के लिए हर साल सबकुछ जीतना है।पेड्रि 1 अरब यूरो रिलीज क्लॉज के साथ चार साल के नए अनुबंध पर हस्ताक्षर करने के बाद शुक्रवार को प्रेस से बात कर रहे थे। मिडफील्डर पिछली गर्मियों में बार्सिलोना के साथ जुड़े थे, लेकिन उन्होंने डेब्यू सीजन में 50 से ज्यादा फर्स्ट टीम मैच खेले और वह स्पेन की राष्ट्रीय टीम में भी शामिल हुए। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, बार्सिलोना वर्तमान में वित्तीय समस्याओं से जूझ रही है और उनकी टीम में लियोनेल मैसी और एंटोनी ग्रिजमैन अब नहीं है। प्रेडी ने कहा कि उन्हें एक नए अनुबंध पर हस्ताक्षर करने में कोई संदेह नहीं है। प्रेडी ने कहा, मेरा सपना यहां कई वर्षो तक रहने का है। यह एक कठिन क्षण है, लेकिन यह दुनिया का सबसे अच्छा क्लब है और यह ठीक हो जाएगा और एक बार फिर महान चीजें हासिल करेगा।

टेनिस: जाबेउर को हराकर इंडियन वेल्स के फाइनल में पहुंचीं बाडोसा

इंडियन वेल्स। स्पेन की पाउला बाडोसा ने सेमीफाइनल मुकाबले में ट्यूनिशिया की ओनस जाबेउर को हराकर यहां जारी परिबास ओपन के फाइनल में जगह बना ली है। खिताबी मुकाबले में उनका सामना बेलारूस की विक्टोरिया अजारेंका से होगा।बाडोसा ने जाबेउर को 6-3, 6-3 से हराया और जाबेउर का विजयी अभियान रोका जो सोमवार को जारी होने वाली डब्ल्यूटीए रैंकिंग में शीर्ष-10 पर पहुंचने वाली पहली अरब महिला बनने के करीब थीं। विश्व की 27वें नंबर की खिलाड़ी का फाइनल में सामना पूर्व नंबर-1 और दो बार की चैंपियन अजारेंका से होगा। बाडोसा कोंचिटा मर्टिंज के 1996 और 1992 में उपविजेता रहने के बाद स्पेन की पहली महिला खिलाड़ी हैं जिन्होंने इंडियन वेल्स के फाइनल में जगह बनाई है। जाबेउर ने मुकाबले में 24 विनर्स लगाए और 35 बेजां भूलें की जबकि बाडोसा ने 15 विनर्स लगाए और 22 बेजा भूलें की। एक अन्य सेमीफाइनल में अजारेंका ने लात्विया की जेलेना ओस्टापेंको को दो घंटे 20 मिनट तक चले मुकाबले में 3-6, 6-3, 7-5 से हराया।

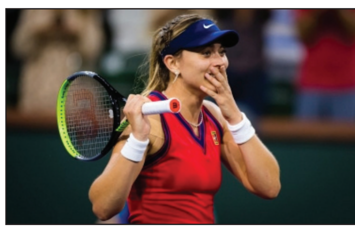

पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले के लिए भारत के पास बढ़त है : महमूद

दुबई।(एजेंसी)।

पाकिस्तान के पूर्व ऑलराउंडर और गेंदबाजी कोच अजहर महमूद का मानना है कि आईसीसी टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले के लिए भारत के पास बढ़त है क्योंकि उनके खिलाड़ी आईपीएल में खेले हैं जिसका आयोजन यूएई में ही हुआ है।

भारत और पाकिस्तान के बीच 24 अक्टूबर को मुकाबला होना है। महमूद का कहना है कि भारत के पास वातावरण की भी अच्छी समझ है। महमूद ने पाकपैसन के लिए लिखा, भारत और पाकिस्तान के मुकाबले दबाव को देखते हुए हमेशा ही महत्वपूर्ण रहे हैं। लेकिन वास्तविकता को देखें तो भारत को थोड़ा फायदा है क्योंकि उनके खिलाड़ियों ने आईपीएल खेला जिसके मुकाबले यूएई में हुए। अत्यधिक प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलने के अलावा, उन्हें संयुक्त अरब अमीरात में खेलने की स्थिति की भी अच्छी समझ होगी।

हालांकि, महमूद ने कहा कि पाकिस्तान के क्रिकेटरों ने हाल ही में खत्म हुए नेशनल टी20 कप में अच्छा क्रिकेट खेला है जिससे उनकी टी20 विश्व कप को लेकर बेहतर तैयारी हुई है। उन्होंने कहा, हमें यह नहीं भूलना चाहिए पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने नेशनल टी20 कप में हिस्सा लिया है। हम सभी को पता है कि भारत और पाकिस्तान मुकाबले को वही टीम जीतती है जो दबाव पर काबू पाती है। टी20 के प्रारूप में एक ओवर में मैच बदल जाता है। पाकिस्तान का आईसीसी टूर्नामेंटों में भारत के खिलाफ निराशाजनक रिकॉर्ड रहा है। पाकिस्तान ने 17 में से सिर्फ तीन मुकाबले जीते हैं और उसे तीनों जीत चैंपियंस ट्रॉफी में मिली है। पाकिस्तान ने आखिरी बार भारत को 2017 में चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में हराया था।

सीएसके की जीत का उछल-उछल कर जश्न मना रही थीं कप्तान एमएस धोनी की पत्नी साक्षी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आइपीएल 2021 का खिताब चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के सिर पर सजाया गया है। 15 अक्टूबर को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच आईपीएल का फाइनल मुकाबला खेला गया जिसकों येलो आर्मी ने जीता और इसके साथ ही महेंद्र सिंह धोनी की अगुवाई वाली टीम ने चौथीं बार आईपीएल की ट्रॉफी अपने नाम कर ली।

इस नजारे को देखकर सीएलके के फैंस फूले नहीं समा रहे थे। कुछ की आंखों में खुशी के आंसू थे तो कुछ खुशी में झूम रहे थे। 2020 में सबसे पहले प्लेऑफ से बाहर होने वाली चेन्नई सुपर किंग्स ने एक 2021 में इतिहास रच दिया। टीम की शानदार वापसी ने फैंस का दिल जीत लिया। चेन्नई सुपर किंग्स के फैंस की इस टीम ने एक बहुत ही इमोशन अटेचमेंट है, इसका उदाहरण हमने दिल्ली के साथ चेन्नई के सेमीफाइनल मैच में देखा, जब एक बच्ची मोइन अली के आइट होने के बाद फूट-फूट कर रोने लगी थी, मैच जीचने के बाद उस बच्ची को धोनी ने अपनी बॉल गिफ्त में दी थी।

कुछ ऐसा ही अंदाज फाइनल में भी देखने को मिला जब मैदान में चौके-छक्कों की सीएलके बारिश कर रही थी तब स्टैंड में बठी कप्तान एमएस धोनी की पत्नी साक्षी और उनकी बेटी जीवा उछल-उछल कर जीत का जश्न मना रही थी। मैदान में लगे कैमरे साक्षी की खुशी का सबूत पेश करते है। कप्तान धोनी की पत्नी की ये खुशी अपने पति की सफलता को बयां कर रही थी। ये वहीं परिवार खुशी मना रहा था जो 2020 में सीएसके के खराब प्रदर्शन के बाद आलोचनाओं का सामना कर रहा था। कड़ी आलोचना के बाद शानदार कमबैक करने का दम एक मात्र कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ही कर सकते हैं।

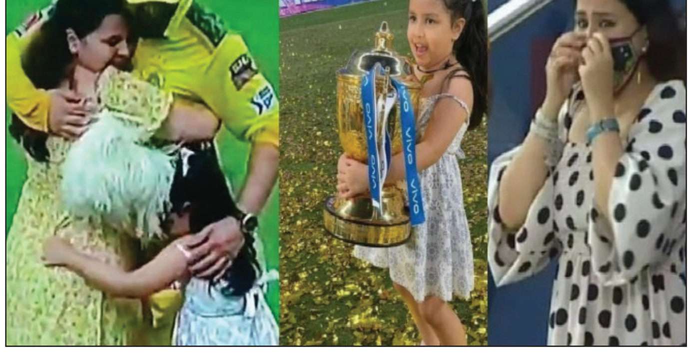

कैमरों ने एमएस धोनी की पत्नी साक्षी को छोटी बेटी जीवा के साथ स्टैंड पर खुशी से उछलते हुए देखा। सुरेश रैना की पत्नी प्रियंका चौधरी और बच्चों को भी केकेआर के खिलाफ सीएसके की जीत का आनंद लेते देखा गया।

मैच जीतने के बार जब टीम अपने परिवार के साथ मैदान में अपनी खुशी बाट रही थी तब एमएस धोनी अपने परिवार के साथ तस्वीरें खिचवा रहे थे और साक्षी और जीवा को गले लगाते हुए भी देखा गया।

पुकोवस्की को मेजर कन्कशन नहीं, एशेज के लिए ठीक होंगे: विक्टोरिया जीएम

सिडनी। क्रिकेट विक्टोरिया के महाप्रबंधक शॉन ग्राफ ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया के ओपनर विल पुकोवस्की को मेजर कन्कशन (सिर की चोट) नहीं हुआ है और वह एशेज सीरीज के लिए ठीक हो जाएंगे। पुकोवस्की को गत पांच अक्टूबर को ट्रेनिंग के दौरान सिर में चोट लगी थी। इसके बाद उनमें कन्कशन के साइन दिखे थे। पुकोवस्की ने इस साल जनवरी में सिडनी में भारत के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया था और 62 तथा 10 रन बनाए थे। हालांकि, कंधे में चोट के कारण वह ब्रिस्बेन टेस्ट से बाहर हो गए थे। अपने 24 प्रथम श्रेणी मैच में पुकोवस्की का 53.41 से ज्यादा का औसत है। अपने छोटे से करियर में पुकोवस्की 10 बार कन्कशन का शिकार हुए हैं। क्रिकेट विक्टोरिया के अधिकारी ने कहा, यह बड़ा कन्कशन नहीं है लेकिन उन्हें लगी है। रिपोर्ट में हल्का सा कन्कशन दिख रहा है। वह यहां हैं और सही हैं। उन्होंने कहा, उन्हें अच्छा महसूस हो रहा है और कुछ सिरदर्द है लेकिन अब यह ठीक है। हमें अगले सप्ताह तक की उम्मीद है और वह ट्रेनिंग में वापस लौटेंगे।

चतुर बिल्ली

पंचतंत्र की कहानियां हमें जीवन की कई मूल्यवान बातें बताती है। चतुर बिल्ली कहानी भी पंचतंत्र की ही कहानी है। यह कहानी बताती है कि हमें अपने शत्रुओं से कैसे बचकर रहना चाहिए।

एक चिड़ा पेड़ पर घोंसला बनाकर मजे से रहता था। एक दिन वह दाना पानी के चक्कर में अच्छी फसल वाले खेत में पहुंच गया। वहां खाने पीने की मौज से बड़ा ही खुश हुआ। उस खुशी में रात को वह घर आना भी भूल गया और उसके दिन मजे में वहीं बीतने लगे।

इधर शाम को एक खरगोश उस पेड़ के पास आया जहां चिड़े का घोंसला था। पेड़ जरा भी ऊंचा नहीं था। इसलिए खरगोश ने उस घोंसलें में झांक कर देखा तो पता चला कि यह घोंसला खाली पड़ा है। घोंसला अच्छा खासा बड़ा था इतना कि वह उसमें खरगोश आराम से रह सकता था। उसे यह बना बनाया घोंसला पसंद आ गया और उसने यहीं रहने का फैसला कर लिया।

कुछ दिनों बाद वह चिड़ा खा-खा कर मोटा ताजा बन कर अपने घोंसलें की याद आने पर वापस लौटा। उसने देखा कि घोंसलें में खरगोश आराम से बैठा हुआ है। उसे बड़ा गुस्सा आया, उसने खरगोश से कहा, चोर कहीं के, मैं नहीं था तो मेरे घर में घुस गए हो? चलो निकलो मेरे घर से, जरा भी शरम नहीं आई मेरे घर में रहते हुए?

खरगोश शान्ति से जवाब देने लगा, कहां का तुम्हारा घर? कौन सा तुम्हारा घर? यह तो मेरा घर है। पागल हो गए हो तुम। अरे! कुआं, तालाब या पेड़ एक बार छोड़कर कोई जाता हैं तो अपना हक भी गवां देता हैं। यहां तो जब तक हम हैं, वह अपना घर है। बाद में तो उसमें कोई भी रह सकता है। अब यह घर मेरा है। बेकार में मुझे तंग मत करो।

यह बात सुनकर चिड़ा कहने लगा, ऐसे बहस करने से कुछ हासिल नहीं होने वाला। किसी धर्मपण्डित के पास चलते हैं। वह जिसके हक में फैसला सुनायेगा उसे घर मिल जाएगा।

उस पेड़ के पास से एक नदी बहती थी। वहां पर एक बड़ी सी बिल्ली बैठी थी। वह कुछ धर्मपाठ करती नजर आ रही थी। वैसे तो यह बिल्ली इन दोनों की जन्मजात शत्रु है लेकिन वहां और कोई भी नहीं था इसलिए उन दोनों ने उसके पास जाना और उससे न्याय लेना ही उचित समझा। सावधानी बरतते हुए बिल्ली के पास जा कर उन्होंने अपनी समस्या बताई।

उन्होंने कहा, हमने अपनी उलझन तो बता दी, अब इसका हल क्या है? इसका जबाब आपसे सुनना चाहते हैं। जो भी सही होगा उसे वह घोंसला मिल जाएगा और जो झूठा होगा उसे आप खा लें। अरे रे !! यह तुम कैसी बातें कर रहे हो, हिंसा जैसा पाप नहीं इस दुनिया में। दूसरों को मारने वाला खुद नरक में जाता है। मैं तुम्हें न्याय देने में तो मदद करूंगी लेकिन झूठे को खाने की बात है तो वह मुझसे नहीं हो पाएगा। मैं एक बात तुम लोगों को कानों में कहना चाहती हूं, जरा मेरे करीब आओ तो!!

खरगोश और चिड़ा खुश हो गए कि अब फैसला हो कर रहेगा। और उसके बिलकुल करीब गए। फिर क्या? करीब आए खरगोश को पंजे में पकड़ कर मुंह से चिड़े को बिल्ली ने नोंच लिया। दोनों का काम तमाम कर दिया। अपने शत्रु को पहचानते हुए भी उस पर विश्वास करने से खरगोश और चिड़े को अपनी जानें गवांनी पड़ीं।

बंदर और आदमी

एक बार की बात है एक टोपियां बेचने वाला पड़ोस के हाट बाजार से टोपियां बेचकर अपने गांव लौट रहा था। दिनभर के कामकाज के बाद वह काफी थक गया था। तब रास्ते में एक पेड़ के नीचे वह कुछ देर सुस्ताने के लिए बैठ गया। ठंडी हवा से उसकी आंख लग गई और फिर किसी आवाज से आंख खुली तो उसने देखा कि उसकी टोपियां बंदरों ने ले ली हैं और वे पेड़ पर चढ़ बैठे हैं। टोपी वाले ने एक-दो पत्थर फेंके पर बंदर टोपियां छोड़ने तैयार ही नहीं थे।

तब टोपी वाले को एक ख्याल आया उसने अपने सिर पर लगी टोपी निकाली और जमीन पर फेंक दी। बंदरों ने यह देखा तो उन्होंने भी अपने सिर की टोपियों को नीचे फेंक दिया।

टोपी वाले ने सारी टोपियां एकत्र की और घर आ गया। बड़ा नुकसान होने से बच गया था। उसने घर आकर वह बात अपने बच्चों को बताई।

कुछ सालों में टोपी बेचने वाले का लड़का बड़ा हो गया और वह भी टोपी बेचने का काम करने लगा। एक दिन वह भी टोपी बेचने के सिलसिले में पड़ोस के गांव गया।

दिनभर के काम के बाद वह काफी थक गया था। घर लौटते समय उसके मन में विचार आया कि क्यों न कुछ देर आराम कर लूं। वह एक पेड़ के नीचे सो गया।

कुछ देर बाद जब वह उठा तो देखा कि बंदरों ने उसकी टोपियों पर धावा बोलते हुए सारा माल हथिया लिया है। टोपी वाले को अपने पिता का किस्सा याद आया।

वह तुरंत पेड़ के सामने जाकर खड़ा हुआ और उसने अपनी सिर पर पहनी टोपी निकाल कर जमीन पर पटक दी। पर यह क्या बंदरों पर इसका कोई असर नहीं हुआ उन्होंने अपनी टोपियां नहीं छोड़ी।

टोपी वाले ने फिर से अपनी टोपी बंदरों को दिखाई और जमीन पर पटक दी। लेकिन बंदरों ने फिर भी अपनी टोपियां नहीं छोड़ी।

तभी एक बंदर बोला- तुम क्या समझते हो कि सिर्फ तुम्हारे ही पिता ने तुमको टोपी वाला किस्सा सुनाया था। यह सुनते ही टोपी वाले को सारी बात समझ में आ गई और वह हाथ मलता हुआ घर को लौट आया

शेर और किशमिश

एक खूबसूरत गांव था। चारों ओर पहाड़ियों से घिरा हुआ। पहाड़ी के पीछे एक शेर रहता था। जब भी वह ऊंचाई पर चढ़कर गरजता था तो गांव वाले डर के मारे कांपने लगते थे। कड़ाके की ठंड का समय था। सारी दुनिया बर्फ से ढंकी हुई थी। शेर बहुत भूखा था। उसने कई दिनों से कुछ नहीं खाया था। शिकार के लिए वह नीचे उतरा और गांव में घुस गया।

वह शिकार की ताक में घूम रहा था। दूर से उसे एक झोपड़ी दिखाई दी। खिड़की में से टिमटिमाते दिए की रोशनी बाहर आ रही थी। शेर ने सोचा यहां कुछ न कुछ खाने को जरूर मिल जाएगा। वह खिड़की के नीचे बैठ गया।

झोपड़ी के अंदर से बच्चे के रोने की आवाज आई। ऊं...आं... ऊं...आं..। वह लगातार रोता जा रहा था। शेर इधर-उधर देखकर मकान में घुसने ही वाला था कि उसे औरत की आवाज आई- चुप रहे बेटा। देखो लोमड़ी आ रही है। बाप रे, कितनी बड़ी लोमड़ी है? कितना बड़ा मुंह है इसका। कितना डर लगता है उसको देखकर। लेकिन बच्चे ने रोना बंद नहीं किया।

मां ने फिर कहा- वह देखो, भालू आ गया... भालू खिड़की के बाहर बैठा है। बंद करो रोना नहीं तो भालू अंदर आ जाएगा, लेकिन बच्चे का रोना जारी रहा। उसे डराने का कोई असर नहीं पड़ा।

खिड़की के नीचे बैठा शेर सोच रहा था- अजीब बच्चा है यह! काश मैं उसे देख सकता। यह न तो लोमड़ी से डरता है, न भालू से।

उसे फिर जोर की भूख सताने लगी। शेर खड़ा हो गया। बच्चा अभी भी रोए जा रहा था।

देखो... देखो... मां की आवाज आई, देखो शेर आ गया शेर। वह रहा खिड़की के नीचे। लेकिन बच्चे का रोना, फिर भी बंद नहीं हुआ। यह सुनकर शेर को बहुत ताज्जुब हुआ और बच्चे की बहादुरी से उसको डर लगने लगा। उसे चक्कर आने लगे और बेहोश-सा हो गया।

वह कैसे जान गई कि मैं खिड़की के पास हूं। शेर ने सोचा।थोड़ी देर बाद उसकी जान में जान आई और उसने खिड़की के अंदर झांका। बच्चा अभी भी रो रहा था। उसे शेर का नाम सुनकर भी डर नहीं लगा।

शेर ने आज तक ऐसा कोई जीव नहीं देखा जो उससे न डरता हो। वह तो यही समझता था कि उसका नाम सुनकर दुनिया के सारे जीव डर के मारे कांपने लगते हैं, लेकिन इस विचित्र बच्चे ने मेरी भी कोई परवाह नहीं की। उसे किसी भी चीज का डर नहीं है। शेर का भी नहीं।

अब शेर को चिंता होने लगी। तभी मां की फिर आवाज सुनाई दी। लो अब चुप रहो। यह देखो किशमिश...। बच्चे ने फौरन रोना बंद कर दिया। बिलकुल सन्नाटा छा गया।

शेर ने सोचा- यह किशमिश कौन है? बहुत खूंखार होगा। अब तो शेर भी किशमिश के बारे में सोचकर डरने लगा। उसी समय कोई भारी चीज धम्म से उसकी पीठ पर गिरी। शेर अपनी जान बचाकर वहां से भागा। उसने सोचा कि उसकी पीठ पर किशमिश ही कूदा होगा।

असल में उसकी पीठ पर एक चोर कूदा था, जो उस घर में गाय-भैंस चुराने आया था। अंधेरे में शेर को गाय समझकर वह छत पर से उसकी पीठ पर कूद गया। डरा तो चोर भी। उसकी तो जान ही निकल गई जब उसे पता चला कि वह शेर की पीठ पर सवार है, गाय की पीठ पर नहीं।

शेर बहुत तेजी से पहाड़ी की ओर दौड़ा, ताकि किशमिश नीचे गिर पड़े, लेकिन चोर ने भी कसकर शेर को पकड़ रखा था। वह जानता था कि यदि वह नीचे गिरा तो शेर उसे जिंदा नहीं छोड़ेगा। शेर को अपनी जान का डर था और चोर को अपनी जान का।

थोड़ी देर में सुबह का उजाला होने लगा। चोर को एक पेड़ की डाली दिखाई दी। उसने जोर से डाली पकड़ी और तेजी से पेड़ के ऊपर चढ़कर छिप गया। शेर की पीठ से छुटकारा पाकर उसने चैन की सांस ली।

शेर ने भी चैन की सांस ली- भगवान को धन्यवाद मेरी जान बचाने के लिए। किशमिश तो सचमुच बहुत भयानक जीव है और वह भूखा-प्यासा वापस पहाड़ी पर अपनी गुफा में चला गया।

सार समाचार

रूस में कोरोना का सबसे भयावह रूप, 24 घंटे में 1000 से ज्यादा मौतें

मॉस्को। रूस में पहली बार कोविड-19 से एक दिन में मरनवालों की संख्या 1,000 के आंकड़े को पार कर गई। देश में संक्रमण के मामलों में भी वृद्धि हुई है। राष्ट्रीय कोरोना वायरस कार्य बल ने शनिवार को बताया कि 1,002 लोगों की मौत हुई, जो कि शुक्रवार को बताए गए आंकड़े 999 से ज्यादा है। वहीं 33,208 नए मामलों की भी पुष्टि हुई है जो कि एक दिन पहले के आंकड़े से 1,000 ज्यादा है। रूस में पिछले कुछ सप्ताह में संक्रमण से दैनिक मौत का रिकॉर्ड कई बार टूटा है लेकिन सरकार अब भी कड़े प्रतिबंधों को लेकर अनिच्छुक है। अधिकारियों ने टीकाकरण की गति लॉटरी, बोनस और अन्य फायदे देकर बढ़ाने की कोशिश की लेकिन टीकाकरण को लेकर लोगों के मन में कई तरह की आशंकाएं है जो अब भी अधिकारियों की कोशिश में बाधा डाल रही है। सरकार ने इस सप्ताह बताया था कि देश की 14.6 करोड़ आबादी में सेकरीब 29 प्रतिशत आबादी (करीब 4.3 करोड़) का टीकाकरण पूरा हो चुका है।

क्या पहले ही अखुंदजादा की हो चुकी थी मौत ? तालिबान ने फिर क्यों छुपाई सच्चाई

काबुल। अफगानिस्तान के काबुल में तालिबान की एंट्री के साथ ही सुप्रीम लीडर हैबतुल्लाह अखुंदजादा का नाम सामने आने लगा। तालिबान इसी नाम के सहारे आतंक का अपना साम्राज्य खड़ा कर रहा था लेकिन क्या अखुंदजादा की पहले ही मौत हो चुकी थी ? क्योंकि अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी के बाद भी अखुंदजादा दिखाई नहीं दिया और इंटरनेट पर उसकी जो तस्वीर है वो काफी ज्यादा पुरानी है।

गिर गई अमेरिकी समर्थित सरकार

साल 1996 से 2001 तक अफगानिस्तान में तालिबान के राज के बाद वहां पर अमेरिकी प्रशासन समर्थित सरकार का गठन हुआ था। लेकिन अमेरिका की वापसी के साथ ही सरकार भी गिर गई और वापस से तालिबान ने अफगानिस्तान पर कब्जा कर लिया। अमेरिकी ड्रोन हमले में अख्तूर मंसूर के मारे जाने के बाद साल 2016 में अखुंदजादा को तालिबान का प्रमुख नियुक्त कर दिया गया था। 15 अगस्त, 2021 में जब तालिबान ने काबुल पर कब्जा कर लिया तो कयास लगाए जाने लगे कि अखुंदजादा सामने आकर सरकार के गठन का ऐलान करेंगे। लेकिन किसी ने भी अखुंदजादा को नहीं देखा और फिर बाद में अखुंदजादा की मौत की खबर सामने आई। इसमें कितनी सच्चाई है यह बताया नहीं जा सकता है। पहले तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे थे कि अखुंदजादा मारा गया है तो कह रहा था कि वो जेल में कैद है लेकिन अंतत- तालिबान ने यह स्वीकार किया कि अखुंदजादा नहीं रहा। माना जा रहा है कि साल 2020 में अखुंदजादा पाकिस्तानी सेनाओं द्वारा समर्थित आत्मघाती हमले में मारा गया था।

नदी की सफाई अभियान पर गए स्कूल के 11 छात्र डूबे, जांच अभियान जारी

जकार्ता।इंडोनेशिया के पश्चिम जावा प्रांत में नदी की सफाई अभियान पर गए एक स्कूल के 11 छात्र डूब गए और 10 अन्य को बचा लिया गया। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि एक इस्लामिक जूनियर हाई स्कूल के 150 छात्र शुक्रवार को सिलियूर नदी के तट पर सफाई अभियान में हिस्सा ले रहे थे, तभी इनमें 21 छात्र फिसलकर नदी में गिर गए। बांडुंग तलाश एवं बचाव कार्यालय के प्रमुख डेडेन रिडवानस्याह ने बताया, ''मौसम ठीक था और अचानक बाढ़ की कोई आशंका नहीं थी। जो बच्चे डूबे, उन्होंने एक दूसरे का हाथ पकड़ा था। उनमें से एक बच्चे का पैर फिसल गया जिससे अन्य भी नदी में फिसल गए।'' पास के निवासियों एवं बचाव दल ने 10 छात्रों को बचा लिया जिन्हें निकट के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बचाव दल ने छात्रों को बचाने के लिए बड़ीनौकाओं का इस्तेमाल किया और शुक्रवार रात को अभियान खत्म होने तक नदी में डूबे सभी छात्रों का पता लगा लिया गया।

इस्कॉन मंदिर पर भीड़ ने किया हमला, तीन लोगों की मौत, बांग्लादेश में एक हफ्ते के अंदर हिंदुओं पर दूसरा बड़ा हमला

नई दिल्ली।बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर एक और बड़ा हमला हुआ है। 14 अक्टूबर को दुर्गा पूजा पंडाल में हिंसा हुई जिसमें मूर्तियां तोड़ी गयी और तीन हिंदुओं को मार डाला गया अब शुक्रवार को नोआखली इलाके में एक इस्कॉन मंदिर में भीड़ ने कथित तौर पर भक्तों पर हमला किया। इस्कॉन ने एक ट्वीट में कहा कि मंदिर को काफी नुकसान हुआ है और एक श्रद्धालु की हालत गंभीर बनी हुई है। इस्कॉन के सदस्य की मौत की खबरें भी हैं।

बंग्लादेश में इस्कॉन मंदिर पर भीड़ ने किया हमला

इस्कॉन की तरफ से जारी बयान में कहा गया कि इस्कॉन के सदस्य पार्थ दास की शुक्रवार को 200 से अधिक लोगों की भीड़ ने बेरहमी से हत्या कर दी थी, उनका शव मंदिर के बगल में एक तालाब में मिला था। हम बांग्लादेश सरकार से तत्काल कार्रवाई का आह्वान करते हैं। इस्कॉन ने एक ट्वीट में कहा इस्कॉन मंदिर और भक्तों पर आज नोआखली, बांग्लादेश में भीड़ द्वारा हिंसक हमला किया गया। मंदिर को काफी नुकसान हुआ और एक भक्त की हालत गंभीर बनी हुई है। हम बांग्लादेश सरकार से सभी हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और अपराधियों को न्याय दिलाने का आह्वान करते हैं।

इस्कॉन मंदिर के तीन सदस्यों की हत्या

इस्कॉन निदेशक व्रजेंद्र नंदन दास ने कहा कि हमला करने वाले आतंकवादी थे, बहुसंख्यक समुदाय के गुंडे, हमारे 3 भक्त मारे गए। बांग्लादेश सरकार को भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए कार्रवाई करनी चाहिए।

बांग्लादेश में तोड़ा गया दुर्गा पूजा का पंडाल, तीन लोगों की मौत

इस्कॉन का कहना है कि उनके मंदिर और भक्तों पर शुक्रवार को बांग्लादेश के नोआखली में भीड़ द्वारा हिंसक हमला किया गया था। इस सप्ताह बांग्लादेश में हिंदू पूजा स्थलों पर हमलों की श्रृंखला में इस्कॉन मंदिर में तोड़फोड़ नयी घटना है।

चीन ने छह महीने के लिए तीन अंतरिक्ष यात्रियों को किया रवाना

बीजिंग। (एजेंसी)।

चीन का शेनझोउ-13 अंतरिक्ष यान देश के तीन अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर शनिवार को अपने अंतरिक्ष केंद्र पहुंचा। ये अंतरिक्ष यात्री रिकॉर्ड छह महीने तक वहां रहेंगे। लॉन्ग मार्च-2एफ रॉकेट से शुक्रवार देर रात 12 बजकर 23 मिनट पर अंतरिक्ष यान को भेजा गया और करीब साढ़े छह घंटे बाद शनिवार सुबह छह बजकर 56 मिनट पर यान तियांगोंग अंतरिक्ष केंद्र के कोर मॉड्यूल पहुंचा। इस अंतरिक्ष यान से रवाना हुए दो पुरुष और एक महिला दूसरे क्रू सदस्य हैं जो अंतरिक्ष केंद्र में गए हैं। यह अंतरिक्ष केंद्र गत अप्रैल में स्थापित किया गया था। पहले क्रू सदस्य तीन महीने तक वहां रहे थे। इन क्रू सदस्यों में से दो अंतरिक्ष यात्रियों झाई झिगांग (55) और वांग यापिंग (41) को पहले भी अंतरिक्ष यात्रा करने का अनुभव रहा है। ये ग्वांगफू अंतरिक्ष की पहली बार यात्रा कर रहे हैं। उन्हें सेना के एक बैंड और समर्थकों द्वारा लोकप्रिय देशभक्ति गीत गाते हुए रवाना किया गया। चीन ने हाल के वर्षों में अपने अंतरिक्ष कार्यक्रम में काफी तेज प्रगति की है। ये क्रू सदस्य अंतरिक्ष केंद्र में उपकरण स्थापित करने के लिए तीन स्पेसवॉक करेंगे, अंतरिक्ष में जीवन की संभावनाओं को खोजेंगे और अंतरिक्ष औषधि तथा अन्य क्षेत्रों में प्रयोग करेंगे। चीन की सेना द्वारा संचालित अंतरिक्ष कार्यक्रम की योजना अंतरिक्ष केंद्र को पूरी तरह संचालन की स्थिति में लाने के लिए अगले दो वर्षों में वहां कई क्रू सदस्यों को भेजने की है। इस साल के अंत तक दो और चीनी मॉड्यूल भेजे जाने हैं।

चीन के विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को अंतरिक्ष के शांतिपूर्ण इस्तेमाल में अन्य देशों के साथ सहयोग की अपनी प्रतिबद्धता दोहरायी। मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजिआन ने कहा कि चीन अंतरिक्ष यान भेजने में अंतरराष्ट्रीय सहयोग करता रहेगा और ब्रह्मांड के रहस्यों को खोजने में सकारात्मक योगदान देगा। चीन के अंतरिक्ष कार्यक्रम के गोपनीय प्रकृति के होने और सेना से करीबी संबंध होने को लेकर अमेरिका की आपत्ति के कारण उसे अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र से बाहर रखा गया। इसके कारण चीन ने स्थायी अंतरिक्ष केंद्र शुरू करने से पहले दो प्रयोगात्मक मॉड्यूल अंतरिक्ष में भेजे। अमेरिकी कानून के मुताबिक अमेरिका और चीन के अंतरिक्ष कार्यक्रमों के बीच संपर्क के लिए कांग्रेस की मंजूरी की आवश्यकता होती है लेकिन चीन फ्रांस, स्वीडन, रूस और इटली समेत अन्य देशों के अंतरिक्ष विशेषज्ञों से सहयोग ले रहा है। चीनी अधिकारियों ने कहा कि अंतरिक्ष केंद्र के पूरी तरह संचालन की स्थिति में आने पर वह दूसरे देशों के अंतरिक्ष यात्रियों को भी अंतरिक्ष केंद्र ले जाने के लिए उत्सुक है। चीन ने 2003 से अब तक 14 अंतरिक्ष यात्रियों को रवाना किया है। वह पूर्व सोवियत संघ और अमेरिका के बाद अंतरिक्ष में अपने दम पर अंतरिक्ष यात्री को भेजने वाला 2003 में तीसरा देश बन गया था।

लड़कियों को स्कूलों में पढ़ने की इजाजत होगी या नहीं? तालिबान जल्द करेगा घोषणा

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि तालिबान ने उन्हें बताया कि वे ''जल्द'' यह घोषणा करेंगे कि सभी अफगान लड़कियों को माध्यमिक स्कूलों में पढ़ने की इजाजत होगी। पिछले सप्ताह काबुल की यात्रा पर गए संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) के उप कार्यकारी निदेशक उमर अब्दी ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में पत्रकारों को बताया कि अफगानिस्तान के 34 प्रांतों में से पांच प्रांतों - उत्तर पश्चिम में बाल्ख, जवज्जान और समांगन, उत्तर पूर्व में कुंदुज और दक्षिण पश्चिम में उरोज्गान में पहले ही माध्यमिक स्कूलों में लड़कियों को पढ़ने की इजाजत है। उन्होंने कहा कि तालिबान के शिक्षा मंत्री ने उन्हें बताया कि वे सभी लड़कियों को छठी कक्षा से आगे अपनी स्कूली शिक्षा जारी रखने की अनुमति देने के लिए ''एक रूपरेखा'' पर काम कर रहे हैं, जिसे ''एक से दो महीने के बीच'' जारी किया जाएगा। अब्दी ने कहा, ''माध्यमिक विद्यालय जाने की उम्र वाली लाखों लड़कियां लगातार 27वें दिन शिक्षा से वंचित हैं। अफगानिस्तान में तालिबान के 1996-2001 के शासन के दौरान उन्होंने लड़कियों और महिलाओं को शिक्षा के अधिकार से वंचित कर दिया था और उनके काम करने और सार्वजनिक जीवन पर रोक लगा दी थी। अब्दी ने कहा कि हर बैठक में उन्होंने तालिबान को ''लड़कियों की शिक्षा बहाल करने'' पर जोर दिया और इसे खुद लड़कियों और देश के हित में महत्वपूर्ण बताया।''

पाक गृह मंत्री ने कहा, आईएसआई प्रमुख की नियुक्ति के मुद्दे को एक हफ्ते में सुलझा लेंगे

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के गृह मंत्री शेख रशीद अहमद ने कहा कि देश की खुफिया एजेंसी आईएसआई के नए प्रमुख की नियुक्ति के मुद्दे को एक सप्ताह में सुलझा लिया जाएगा। मंत्री का यह बयान उन कयासों के बीच आया है जिसमें कहा गया कि इस अहम नियुक्ति को लेकर प्रधानमंत्री इमरान खान और सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा में मतभेद है। उल्लेखनीय है कि इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के महानिदेशक की नियुक्ति का मुद्दा पिछले सप्ताह इस पद पर लेफ्टिनेंट जनरल नदीम अहमद अंजुम की नियुक्ति को लेकर जारी होने वाली अधिसूचना में देरी के बाद से ही सुर्खियों में है। हालांकि, गृह मंत्री इस देरी के कारणों के बारे में बताने से बचते नजर आए।

सेना ने छह अक्टूबर को बयान जारी कर अंजुम को आईएसआई के मौजूदा प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद के स्थान पर नियुक्त करने की घोषणा की जबकि हमीद को पेशावर कोर का कमांडर नियुक्त किया है। हालांकि, प्रधानमंत्री कार्यालय ने इस नियुक्ति की आधिकारिक अधिसूचना रोक दी। शुरुआती चुप्पी के बाद सरकार ने इस सप्ताह जारी बयान में कहा कि इस अहम नियुक्ति के लिए प्रधानमंत्री से सही तरीके से चर्चा नहीं की गई। इस हफ्ते की शुरुआत में सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने कहा था कि प्रधानमंत्री को खुफिया एजेंसी के प्रमुख की नियुक्ति करने का अधिकार है और परामर्श की प्रक्रिया पूरी हो गई है और अधिसूचना जारी की जाएगी। डॉन' समाचार पत्र में शुक्रवार को प्रकाशित खबर में कहा गया कि शेख राशिद अहमद ने निजी टीवी चैनल को दिए साक्षात्कार में बताया है कि सौहार्दपूर्ण तरीके से देश के असैन्य और सैन्य नेतृत्व ने मामले को सुलझा लिया है और अब 'नियुक्ति (आईएसआई प्रमुख की) अगले शुक्रवार से पहले हो जाएगी।'' जब इस नियुक्ति में हुई देरी के बारे में पूछा गया तो गृह मंत्री ने कहा कि वह कारण जानते हैं लेकिन सार्वजनिक नहीं करेंगे क्योंकि प्रधानमंत्री ही इस बारे में जनता को बता सकते हैं।

एक सवाल के जवाब में शेख राशिद ने उन दावों का खंडन किया जिसमें कहा गया था कि प्रधानमंत्री कार्यालय ने '' आध्यात्मिक और पवित्र'' कारणों से नियुक्ति में देरी की। उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह से बकवास है किआध्यात्मिक शक्तियों के हस्तक्षेप की वजह से जानबूझकर नियुक्ति में देरी की गई। यह अतार्किक है कि कोई निर्देशित कर रहा है।'' मंत्री ने दावा किया कि असैन्य और सैन्य नेतृत्व में कोई मतभेद नहीं है और दोनों ने जो तय किया गया है, उसपर वे संतुष्ट हैं। उन्होंने मीडिया में आई खबरों और सत्तारूढ़ पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के नेशनल असेंबली में मुख्य सचेतक अमीर डोगर के उस बयान को भी खारिज कर दिया कि प्रधानमंत्री लेफ्टिनेंट जनरल फैज को पड़ोसी देश अफगानिस्तान में उत्पन्न् हालात की वजह से कुछ और समय के लिए इस पद पर बने देने रहना चाहते थे। वहीं, एक अन्य बयान में सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने कहा कि आईएसआई महानिदेशक की नियुक्ति के मुद्दे का आने वाले कुछ दिनों में समाधान हो जाएगा। हालांकि, उन्होंने इस प्रकरण पर टिप्पणी करने से बचते हुए कहा, ''इस मुद्दे पर शुक्रवार कोई उल्लेखनीय प्रगति नहीं हुई है।

विदेश मंत्री जयशंकर 17 अक्टूबर को इजराइल की यात्रा पर जायेंगे, द्विपक्षीय संबंधों को लेकर होगी बैठक

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

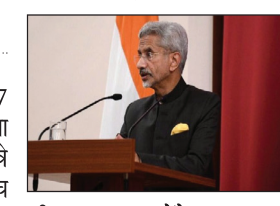

विदेश मंत्री एस जयशंकर 17 अक्टूबर से पांच दिवसीय यात्रा पर इजराइल जायेंगे जहां वे द्विपक्षीय संबंधों को लेकर उच्च स्तरीय बैठक करेंगे। विदेश मंत्रालय के बयान से यह जानकारी मिली है। विदेश मंत्रालय ने बयान में कहा, '' विदेश मंत्री एस जयशंकर 17-21 अक्टूबर तक इजराइल की आधिकारिक यात्रा पर जायेंगे।'' मंत्रालय के अनुसार, जयशंकर इजराइल के विदेश मंत्री येर लेपिड के निमंत्रण पर जा रहे हैं। बयान में कहा गया है कि विदेश मंत्री के रूप में जयशंकर की यह पहली इजराइल यात्रा है। इस दौरान वे अपने इजराइली समकक्ष येर लेपिड के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। इजराइल में नेफ्ताली बेनेट की सरकार बनने के बाद भारत से यह पहली महत्वपूर्ण उच्च स्तरीय यात्रा होगी।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, जयशंकर अपनी यात्रा के दौरान वहां के राष्ट्रपति इसाक हर्जोग, प्रधानमंत्री नेफ्ताली बेनेट तथा वहां की संसद नेसेट के स्पीकर से भी मुलाकात करेंगे। भारत और इजराइल ने जुलाई 2017 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इजराइल यात्रा के दौरान अपने द्विपक्षीय संबंधों को सामरिक गठजोड़ में बदला था। मंत्रालय ने कहा कि इसके बाद से दोनों देश ज्ञान आधारित आपने गठजोड़ को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किये हुए हैं जिसमें नवोन्मेष एवं शोध तथा 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम को गति प्रदान करने पर जोर दिया जा रहा है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि विदेश मंत्री जयशंकर इजराइल में भारतीय समुदाय के लोगों, भारतीय छात्रों, कारोबारियों तथा उच्च प्रौद्योगिकी से जुड़े उद्योगों से संबंधित लोगों से भी संवाद करेंगे। बयान के अनुसार, जयशंकर अपनी यात्रा के दौरान प्रथम विश्व युद्ध में इस क्षेत्र में जान न्योछावर करने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि भी देंगे।

क्या अब भी रिपब्लिकन पार्टी में अपना प्रभाव बनाए रखना चाहते है डोनाल्ड ट्रंप?

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रिपब्लिकन पार्टी में अपना प्रभाव बनाए रखने की कोशिश जारी रखे हुए है और वह राष्ट्रपति पद के लिए बार फिर चुनाव मैदान में उतरने की मंशा रखते हैं। ट्रंप को राष्ट्रपति का पद छोड़े लगभग एक साल होने वाला है लेकिन वह अब भी अपने प्रभाव को बनाये रखने के प्रयासों में लगे हुए है। वहीं, अमेरिकी चुनावों में कथित रूसी हस्तक्षेप की जांच वाली खुफिया समिति के अध्यक्ष और ट्रंप के खिलाफ पहले महाभियोग का नेतृत्व करने वाले एडम शिफ भी उन्हें घेरने का मौका नहीं छोड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिकी राजनीतिक मंच पर ट्रंप की उपस्थिति रही तो यह लोकतंत्र पर मंडरा रहे खतरे से कम नहीं होगा। शिफ ने सी-स्पैन के 'बुक टीवी' को दिए एक साक्षात्कार में कहा, ''हम देश को दिखाना चाहते हैं कि छह जनवरी को कैपिटल (संसद भवन) पर हमले की घटना कैसे हुई। हम बताना चाहते हैं कि कैसे हमारे निर्वाचन को लेकर फैलाए गए बड़े झूठ ने हजारों लोगों को अपनी ही सरकार पर हमले के लिए प्रोत्साहित किया।'' यह साक्षात्कार रविवार से एक सप्ताह तक कड़ियों में प्रसारित किया जाएगा। शिफ ने सवाल किया, ''राष्ट्रपति को इस रैली की क्या जानकारी थी और जब उन्हें जानकारी मिली तो क्या किया? क्यों यह इतने लंबे समय तक चला? ऐसे में कई अहम सवाल हैं जिनके जवाब तलाशने बाकी है।'' उन्होंने उम्मीद जताई कि ट्रंप के खिलाफ जांच कर रही समिति ' सटीक रिपोर्ट देगी', ठीक वैसे ही जैसे 9/11 हमले पर गठित समिति ने 2001 में अमेरिका में हुए आतंकवादी हमले की विस्तृत जांच करने के बाद दी थी। वहीं ट्रंप ने कहा कि डेमोक्रेट ''सत्ता के नशे' में चूर हैं। उन्होंने अपने पूर्व कर्मियों और प्रशासनिक अधिकारियों से कहा है कि वे समिति के बुलावे पर बयान देने नहीं जाए। पूर्व राष्ट्रपति अपने रुख पर अड़े हैं कि राष्ट्रपति नहीं होने पर भी उन्हें कार्यकारी विशेषाधिकार प्राप्त है।

गौरतलब है कि समिति ने इस सप्ताह घोषणा की है कि अगर ट्रंप के पूर्व सलाहकार स्टीव बैनन समन का पालन नहीं करेंगे तो उनके खिलाफ अवमानना के लिए समिति मतदान करेगी। ट्रंप ने एक बयान में कहा, ''चरमपंथी वाम डेमोक्रेट रूस के नाम पर फर्जी मामला बनाने और फर्जी महाभियोग चलाने की कोशिश कर चुके हैं और अब एक बार फिर वे कांग्रेस का इस्तेमाल अपने राजनीतिक विरोधियों को प्रताड़ित करने के लिए कर रहे हैं।

हमलावर ने नमाजियों के बीच आकर खुद को उड़ाया, मस्जिद की दीवारें खून से रंगी; आईएसआईएस ने ली जिम्मेदारी

नयी दिल्ली।(एजेंसी)।

अफगानिस्तान में तालिबान के आगाज का असर अब देखने को मिल रहा है। बता दें कि, अफगानिस्तान के बड़े शहर कंधार के शिया इमाम बरगाह मस्जिद में नमाज पढ़ रहे लोगों पर आत्माघाती हमले किए गए जिसमें 62 लोगों की मौत हो गई है और 68 लोग घायल हो गए है। इसकी जिम्मेदारी खुद इस्लामिक स्टेट ने ली है। उल्लेखनीय है कि, पिछले हफ्ते ही शुक्रवार को कुंदूज शहर की शिया मस्जिद में आतम्घाती हमले किए गए थे जिसमें 80 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी।

हमलावर ने खुद को किया बलास्ट

आत्मघाती हमले में हमलावर ने खुद को नमाज पढ़ रहे लोगों के बीच उड़ा दिया जिसके कारण मरने वालों की संख्या ज्यादा है। इस बलास्ट की फोटो और वीडियो इंटरनेट पर पोस्ट किए गए है जो कि काफी विचलित करने वाले हैं। बता दें कि, इस जोरदार बलास्ट के बाद मस्जिद की दीवारें खून से रंगी हुई दिखाई दे रही है और शरीर के मांस के टुकड़े जगह-जगह बिखरे हुए दिखाई दे रहे है। विस्फोट से काला धुंआ निकला जिससे मस्दिज की दिवारें काली हो गई है। पूरे मस्जिद में बारूद की गंध महसूस की जा सकती है। वहीं तलिबान सरकार की न्यूज एजेंसी बख्तार ने मस्जिद विस्फोट में 62 लोगों के मर जाने की पुष्टि की है।

तालिबान का विशेष बल तैनात

बता दें कि तालिबान का विशेष दल हर इलाके पहुंच लोगों से पूछताछ कर रही है। जानकारी के लिए बता दें कि खुद तालिबान ने शिया समुदाय को अपना निशाना बनाया है लेकिन इश बार इस्लामिक स्टेट ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। शिया समुदाय पर हुए इस हमलें की ईरान ने भी निंदा की है।

अंतरिक्ष में अगर किसी की मौत हो गई तो शव का क्या होगा?

नई दिल्ली (एजेंसी)।

जन्द ही वह समय आ सकता है जब हम छुट्टियां मनाने के लिए या रहने के लिए अन्य ग्रहों की यात्रा करेंगे। वाणिज्यिक अंतरिक्ष कंपनी ब्लू ऑरिजीन ने भुगतान करने वाले ग्राहकों को उप कक्षीय उड़ानों से भेजना शुरू कर दिया है और उद्योगपति एलन मस्क को अपनी कंपनी स्पेस एक्स के साथ मंगल ग्रह पर एक बेस शुरू करने की उम्मीद है। अब सवाल यह उठता है कि अंतरिक्ष में रहने में कैसा लगेगा या यदि किसी की मौत हो जाएगी तो वहां शव का क्या होगा। पृथ्वी पर किसी व्यक्ति की मृत्यु होने पर उसका शव सड़ने-गलने के कई चरणों से होकर गुजरता है। इस बारे में 1247 में सोंग सी की 'द वाशिंग अवे ऑफ रॉग्स', प्रथम फोरेंसिक विज्ञान पुस्तिका में वर्णन किया गया था। सबसे पहले रक्त का प्रवाह रूक जाता है (लिवोर मोर्टिस) और गुरूत्व के चलते यह जमा होने लगता है। इसके बाद शव ठंडा हो जाता है और मांसपेशिया अकड़ जाती है, जिस प्रक्रिया को रिगोर मोर्टिस कहते हैं। इसके बाद, रासायनिक प्रतिक्रिया को तेज करने वाला प्रोटीन कोशिका की दीवारों को तोड़ देता है और उसकी सामग्री को बाहर निकाल देता है। इसके साथ-साथ, जीवाणु पूरे शरीर में फैल जाता है।

वे नरम कोशिकाओं को नष्ट कर देते हैं और उनसे जो गैस निकलता है उससे शव फूल जाता है। इसके बाद दुर्गंध आने लगती है और नरम उत्तक टूट जाते हैं। शव के सड़ने-गलने की यह प्रक्रिया अंदरूनी कारक हैं लेकिन बाहरी कारक भी हैं जो सड़ने-गलने की प्रक्रिया को प्रभावित करते हैं, उनमें तापमान, कीट की सक्रियता, शव को दफन करना या कपड़े आदि में लपेट कर रखना तथा आग और पानी की मौजूदगी शामिल है। शव को ममी में तब्दील करने का कार्य शुष्क परिस्थितियों में होता है, जो गर्म या ठंडा हो सकता है। नम पर्यावरण में ऑक्सीजन के बगैर ऐसी स्थिति बनती है जिसमें पानी वसा को हाइड्रोलाइसिस प्रक्रिया के जरिए मोम जैसे पदार्थ में विखंडित कर सकता है। मोमीय परत त्वचा पर एक कवच बन जाता है और उसका संरक्षण करता है। हालांकि, कई मामलों में नरम उत्तक आखिरकार खत्म हो जाते हैं और सिर्फ कंकाल बच जाता है। ये कठोर उत्तक हजारों वर्षों तक टिके रह सकते हैं। सड़न को रोकनाः अन्य ग्रहों पर अलग गुरूत्व रहने के चलते 'लिवोर मोर्टिस' चरण निश्चित तौर पर प्रभावित होगा और अंतरिक्ष में तैरते समय गुरुत्व का अभाव रहने पर रक्त नहीं जमेगा। स्पेससूट के अंदर 'रिगोर मोर्टिस' की प्रक्रिया जारी रहेगी।

मिट्टी में मौजूद सूक्ष्मजीव भी शव के सड़ने -गलने में मदद करते हैं। हालांकि, हमारे सौर मंडल के अन्य ग्रहों पर कीट और शव को खाने वाले अन्य जंतु मौजूद नहीं हैं। सड़ने-गलने की प्रक्रिया में तापमान भी एकमुख्य कारक है। उदाहरण के तौर पर चंद्रमा पर तापमान 120 डिग्री सेल्सियस से 170 डिग्री सेल्सियस है। इससे शवों में ताप से प्रभावित बदलाव या ठंड से जमने के प्रभाव देखे जा सकते हैं। हालांकि, मनुष्य के शव अंतरिक्ष में एलियन के समय होंगे। इसलिए संभवत- अंत्येष्टि का एक नया तरीका ढूंढने की जरूरत होगी।

-(टिम थॉम्पसनः हेल्थ एंड लाइफ साइंसेज के डीन एवं अप्लाइड बायोलॉजिकल एंथ्रोपोलॉजी, टेस्सीड यूनिवर्सिटी के प्राध्यापक) मिडिल्सब्रो (इंग्लैंड)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सीडब्ल्यूसी में 3 प्रस्ताव हुए पारित, कांग्रेस ने चीन, मादक पदार्थ, जम्मू-कश्मीर मुद्दे को लेकर मोदी सरकार को घेरा

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कांग्रेस जनजागरण अभियान चलाएगी। पार्टी महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने शनिवार को सीडब्ल्यूसी की बैठक संपन्न होने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि बैठक में तीन महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गए। उन्होंने बताया कि सीडब्ल्यूसी ने देश की आतंरिक और बाहरी सुरक्षा को लेकर मोदी सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता किया है, इस पर चिंता जाहिर की है।

सुरजेवाला ने कहा कि एक साल बीत गया है लेकिन चीन अभी भी देपसांग, गोगरा, हॉट स्प्रिंग पर कब्जा करके बैठा है और प्रधानमंत्री जी के मुंह से चीन शब्द तक नहीं निकला। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों ने हमारी सेनाओं के सैनिको और अफसरों पर लगातार हमले शुरू कर रखे हैं पर सरकार के कान पर जू नहीं रेंगती है।

आतंरिक सुरक्षा हुई तार-तार

उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में चुनाव कराने और पूर्ण राज्य की बहाली करने की बजाय सरकार केवल बहाने ढूंढ़ती है। उन्होंने कहा कि असम, नागालैंड और मिजोरम में खूनी संघर्ष हुआ वो भी सरकारों के बीच में। भाजपा के मित्रों और भाजपा की सरकार द्वारा एक दूसरे मुख्यमंत्रियों पर एफआईआर दर्ज कराई गई। एक प्रांत की पुलिस ने दूसरे प्रांत की पुलिस पर गोलीबारी की। जिस प्रकार से दो चुनी गई सरकारों के द्वारा खूनी संघर्ष सीमा विवाद हुआ यह भारत में तार-तार हुई आतंरिक सुरक्षा को दर्शाता है।

उन्होंने आगे कहा कि नागालैंड के पीस अकॉर्ड की चर्चा करके मोदी जी अपनी पीठ थपथपाया करते थे और अब उन्हें रवि इंटरलॉक्यूटर को बदलकर कहीं और लगाना पड़ा और कई ऐसे ग्रुप हैं जो हमारे संविधान को मानने से इनकार कर रहे हैं पर सरकार चुप्पी साधे हुए है।

सीडब्ल्यूसी में मादक पदार्थ पर भी हुई चर्चा

इसी बीच कांग्रेस महासचिव ने नशे का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि नशे के बड़े-बड़े संगठित व्यापारी सरकार की नाक के नीचे खुलेआम घूम रहे हैं। खासकर सीडब्ल्यूसी ने नोट किया कि जिस आडानी पोर्ट पर 3,000 किलो हिरोइन 21 हजार करोड़ रुपए की पकड़ी गई थी उससे पहले 25,000 किलो हिरोइन वहां से निकलकर बाजार में आ गई थी। वहां से निकलकर हिन्दुस्तान के बाजार में आ गई। क्या यह बिना सरकार के संरक्षण के हो सकता था?

मनमोहन सिंह डेंगू से पीड़ित, सेहत में आ रहा सुधार: एम्स अधिकारी ने दी जानकारी

नयी दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह डेंगू से पीड़ित पाए गए है, लेकिन उनके स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है। एम्स अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। कांग्रेस नेता सिंह (89) को बुखार के बाद कमजोरी होने पर बुधवार शाम यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती कराया गया था। एम्स के एक अधिकारी ने शनिवार को कहा, वह डेंगू से पीड़ित पाए गए हैं, लेकिन अब उनकी प्लेटलेट्स की संख्या बढ़ रही है और उनकी तबीयत में सुधार हो रहा है। सिंह को अस्पताल के कार्डियो-न्यूरो सेंटर के एक निजी वार्ड में भर्ती कराया गया है और डॉक्टर नीतीश नाइक के नेतृत्व में हृदय रोग विशेषज्ञों का एक दल उनकी देखरेख कर रहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने बृहस्पतिवार को सिंह से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली थी। मुलाकात के दौरान एक फोटोग्राफर भी उनके साथ मौजूद था, जिसको लेकर विवाद खड़ा हो गया। मनमोहन सिंह की बेटी दमन सिंह ने परिवार की मर्जी के खिलाफ फोटोग्राफर को साथ लाने के लिए मांडविया पर निशाना साधा। दमन सिंह ने द प्रिंट को बताया कि उनकी मां बहुत परेशान थीं क्योंकि एक फोटोग्राफर मंत्री के साथ कमरे में घुस आया था। लेकिन जब उन्होंने जोर देकर फोटोग्राफर को कमरे से बाहर निकालने के लिये कहा तो उनकी बात को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया गया। दमन सिंह ने कहा, वह बहुत परेशान थी। मेरे माता-पिता एक कठिन परिस्थिति का सामना करने की कोशिश कर रहे हैं। वे बुजुर्ग लोग हैं।

सार समाचार

दिल्ली के सिंघु बॉर्डर पर पंजाब के युवक की हत्या अतिदुखद एवं शर्मनाक: मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की सुप्रीमो मायावती ने दिल्ली के सिंघु बॉर्डर पर पंजाब के एक दलित युवक की गयी नृशंस हत्या अति-दुखद एवं शर्मनाक बताया है। मायावती ने शनिवार को ट्वीट किया, दिल्ली के सिंघु बॉर्डर पर पंजाब के एक दलित युवक की नृशंस हत्या अति-दुखद एवं शर्मनाक है। पुलिस घटना को गंभीरता से लेते हुए दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करे तथा पंजाब के दलित मुख्यमंत्री भी लखीमपुर खीरी की तरह पीड़ित परिवार को 50 लाख रुपए की मदद एवं सरकारी नौकरी दें, बीएसपी की यह माँग। गौरतलब हैं कि दिल्ली-हरियाणा की सीमा पर सिंघु स्थित किसानों के प्रदर्शन स्थल के नजदीक एक व्यक्ति की पीट-पीट कर हत्या किये जाने की बात सामने आयी थी। पंजाब के तरन तारन जिले के निवासी लखबीर सिंह (35) का पुलिस बैरीकेड से बंधा शव उस मंच के पास मिला जिसे दस महीने से प्रदर्शन कर रहे किसानों ने तैयार कर रखा है। उसके शरीर पर धारदार हथियार के वार के 10 निशान मिले थे।

17 साल की किशोरी से रेप केस में एसपी और बीएसपी जिलाध्यक्ष समेत 3 आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

ललितपुर (उप्र)। ललितपुर जिले की सदर कोतवाली क्षेत्र में 17 साल की किशोरी से कथित बलात्कार के मामले में पुलिस ने समाजवादी पार्टी (सपा), बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के नेताओं और एक इंजीनियर सहित अब तक सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ललितपुर के पुलिस अधीक्षक (एसपी) निखिल पाठक ने शनिवार को बताया कि एक लड़की से कथित रूप से अलग-अलग घटनास्थल पर बलात्कार किये जाने के मामले में 12 अक्टूबर को सदर कोतवाली में मामला दर्ज किया गया था। पीड़िता के पिता, चाचा और सपा व बसपा के जिलाध्यक्ष सहित 25 नामजद और तीन अज्ञात आरोपी हैं। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए सात टीम तैनात की गई है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मिर्जापुर जिला मुख्यालय के एक होटल में शुक्रवार छापा मारकर सपा के ललितपुर के जिलाध्यक्ष तिलक यादव,बसपा के जिलाध्यक्ष दीपक अहिरवार और इंजीनियर महेंद्र दुबे को गिरफ्तार किया, जिन्हें अदालत ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। मामले में चार अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ अब तक कुल सात आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। सदर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) जय प्रकाश ने बताया कि अन्य फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीम लगातार छापेमारी कर रही है।

70 साल की उम्र में महिला ने दिया बच्चे को जन्म, डॉक्टर ने कहा- ये चमत्कार से कम नहीं

नई दिल्ली। एक औरत के लिए मां बनने की खुशी ही कुछ अलग होती है। मां बनने की कोई आयु सीमा नहीं है। जिन महिलाओं में मां बनने की ताकत नहीं होती उन्हें मेडिकल साइंस की मदद से मातृत्व मिलता है। लेकिन कच्छी की एक महिला ने जो साहस दिखाया है, वह है कबीले तारीफ है। कच्छ के मोरा गांव की जीतूबेन रबारी 70 साल की उम्र में मां बन गई हैं। शादी के 45 साल बाद रापर तालुका की 70 वर्षीय जिवुबेन रबारी के घर में पालना बनाया गया है। उन्होंने टेस्ट ट्यूब के जरिए बच्चे को जन्म दिया है। जिवुबेन और उनके 75 वर्षीय पति वलजीभाई राबारी पिछले चार दशकों से नि:संतान हैं। शादी के 45 साल बाद रापर तालुका की 70 वर्षीय जिवुबेन रबारी के घर में पालना बनाया गया है। उन्होंने टेस्ट ट्यूब के जरिए बच्चे को जन्म दिया है। जिवुबेन और उनके 75 वर्षीय पति वलजीभाई राबारी पिछले चार दशकों से नि:संतान हैं। उन्होंने जीवन में इस कमी को महसूस किया। हालांकि, उन्होंने हार नहीं मानी। उन्होंने बच्चे के लिए अपना पूरा इलाज सब्र और संयम के साथ करवाया और शादी के 45 साल बाद उनके घर में बच्चे की किलकारियां गूंजी।

दिल्ली में कोरोना वायरस संक्रमण के 21 नए मामले सामने आए

नयी दिल्ली। दिल्ली में शनिवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 21 नए मामले सामने आए और किसी कोविड रोगी की मौत नहीं हुई। संक्रमण की दर 0.04 प्रतिशत रही। स्वास्थ्य विभाग द्वारा साझा किए गए आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार दिल्ली में इस साल कोविड-19 से दो लोगों की मौत हुई है। इनमें एक रोगी की मौत दो अक्टूबर जबकि दूसरे की मौत 10 दिसंबर को हुई। आंकड़ों के अनुसार बीते महीने कोविड के चलते केवल पांच लोगों की मौत हुई थी। 7,16 और 17 सितंबर को एक-एक तथा 28 सितंबर को दो रोगियों की जान चली गई थी। कोविड-19 से दिल्ली में अब तक25,089 लोगों की मौत हो चुकी है। संक्रमण के अब तक कुल 14,39,358 मामले सामने आ चुके हैं। 14.13 लाख से अधिक लोग ठीक हो चुके हैं।

उत्तर प्रदेश में कोरोना के कुल 129 एक्टिव मामले, वैक्सीनेशन का कार्य निरन्तर जारी

लखनऊ। अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य श्री अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि प्रदेश में कल एक दिन में कुल 1,23,624 सैम्पल की जांच की गयी है। जिसमें कोरोना संक्रमण के 05 नये मामले आये हैं। प्रदेश में अब तक कुल 8,12,41,443 सैम्पल की जांच की गयी है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में पिछले 24 घंटे में 08 तथा अब तक कुल 16,86,992 लोग कोविड-19 से ठीक हो चुके हैं। प्रदेश में कोरोना के कुल 129 एक्टिव मामले है। उन्होंने बताया कि कोविड वैक्सीनेशन का कार्य निरन्तर किया जा रहा है। कल एक दिन में 77,196 कोविड वैक्सीन की डोज दी गयी है।

मंडी संसदीय क्षेत्र के सम्मान को ठेस पहुंचाने वालों को जनता देगी जवाब: जयराम ठाकुर

सरकाघाट। (एजेंसी)।

हमने वादा किया था कि हम अपनी ओर से कुछ नहीं कहेंगे, हम सिर्फ अपनी सरकार के कार्य लोगों को गिनवाएंगे लेकिन कांग्रेस ने मंडी आकर अगले ही दिन पानी पी-पीकर मुझे गालियां निकालीं। ये बात मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने सरकाघाट विधानसभा क्षेत्र के बैरा में बीजेपी प्रत्याशी खुशाल ठाकुर के लिए आयोजित जनसभा में कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने जो अपमान किया है, उसे मंडी संसदीय क्षेत्र के लोग कभी भी बर्दाशत नहीं करेंगे। मंडी की बात जब मैं करता हूं तो उसका मतलब है किन्नौर से लेकर भरमौर तक। जो लोग प्रदेश को कभी टोपी, कभी बोली, कभी क्षेत्र के नाम पर बांटते रहे, वो हमारे ऊपर पक्षपात का आरोप लगा रहे हैं। लेकिन जब आंकड़ों के आधार पर उनसे बात की जाए तो वे बगलें झांकते नजर आते हैं।

कांग्रेस को घेरते हुए मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने कहा, 'मैं कोई व्यक्तिगत आक्षेप नहीं लगा रहा लेकिन प्रतिभा सिंह यहां से दो बार सांसद रहीं। आज लोग चर्चा कर रहे हैं कि बतौर सांसद वो कितनी बार हमारे बीच में पहुंची। हां, वीरभद्र सिंह जी के साथ जरूर आती रहीं लेकिन बस वोट मांगने के लिए।'

कारगिल युद्ध का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उस लड़ाई में देश के 500 से ज्यादा जवानों ने शहादत दी लेकिन कांग्रेस कह रही है ये युद्ध नहीं था। साथ ही

साथ कांग्रेस कह रही है कि ब्रिगेडियर खुशाल ठाकुर ने युद्ध अकेले नहीं लड़ा। वे भूल गए कि टाइगर हिल पर कब्जा करने का जिम्मा उनकी ब्रिगेड के जिम्मे था। जब इस बात पर लोगों ने सवाल उठा दिए तो अब कह रहे हैं कि हमने ऐसा बोला ही नहीं। कांग्रेस की यही हालत पूरे देश में हो गई है।

सीएम ने कहा, 'कांग्रेस ने ऐसे व्यक्ति को हिमाचल में स्टार प्रचारक बनाकर भेजा जिस व्यक्ति पर भारत तेरे टुकड़े होंगे जैसे नारे लगाने का आरोप लगा। ये वही कन्हैया कुमार हैं जिन्होंने कहा कि सेना के जवान जम्मू-कश्मीर में महिलाओं पर अत्याचार करते हैं।'

इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने नवजोत सिंह सिद्धू पर भी चुटकी ली। हिमाचल कांग्रेस को लेकर उन्होंने कहा कि हमारे यहां भी कांग्रेस का ऐसा ही हाल है। वीरभद्र सिंह जी के जाने का दुख हमें भी है, लेकिन उनके निधन के बाद कांग्रेस में सबसे बड़ा नेता बनने की होड़ लगी है। उन्हें जनता की फिक्र नहीं, सिर्फ अपने हितों की चिंता है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने सरकार द्वारा किए गए कार्यों को गिनवाया और कांग्रेस पर सवाल खड़े किए। जयराम ठाकुर ने कहा, ÷हमने बुजुर्गों की पेंशन की उम्र 80 से 70 साल की। अब 70 साल के ऊपर सभी को हमारी सरकार 1500 रुपये पेंशन दे रही है। पहले ये पेंशन 750 दी जाती थी। माताओं और बहनों के लिए 65 साल से पेंशन का प्रावधान किया। गरीबों के लिए इलाज के लिए सहारा योजना चलाई। लाइलाज बीमारियों से जूझ रहे व्यक्तियों के लिए सहारा योजना चलाई। कांग्रेस ने इतने सालों में आम और गरीब वर्ग के लिए क्या किया?'

सरकाघाट में चुनावी जनसभा के दौरान महंगाई पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, 'महंगाई है लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस पर काम कर रहे हैं और हम जल्द इस पर भी सफलता हासिल कर लेंगे। हमने हिमाचल में खाद्य तेल पर सब्सिडी बढ़ाकर 30 रुपये की ताकि लोगों पर बोझ ना पड़े।'

2019 के लोकसभा चुनाव का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कहा कि सरकाघाट विधानसभा क्षेत्र से पिछले चुनावों में हमें 31 हजार की लीड मिली। इसी तरह इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ कि सभी 68 विधानसभा क्षेत्रों में किसी पार्टी को लीड मिली हो। देश भर में सबसे ज्यादा वोट शेयर हिमाचल में बीजेपी का रहा। मुख्यमंत्री ने कहा, 'मुझे पूरा यकीन है कि इस बार भी सरकाघाट की जनता ब्रिगेडियर खुशाल ठाकुर को रिकॉर्ड वोटों से जिताकर दिल्ली भेजेगी।'

अंडमान में आजादी के दीवानों का बनेगा तीर्थ स्थल, युगों-युगों तक याद किए जाएंगे सुभाष बाबू: अमित शाह

पोर्ट लेयर। (एजेंसी)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इन दिनों अंडमान और निकोबार के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। इसी बीच उन्होंने शनिवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वीप से अंडमान-निकोबार के लिए विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस मौके पर उनके साथ अंडमान-निकोबार के लेफ्टिनेंट गवर्नर एडमिरल डी. के. जोशी (रिटायर्ड) भी मौजूद रहे।

299 करोड़ की परियोजनाओं का हुआ उद्घाटन

गृह मंत्री ने कहा कि आज यहां 14 परियोजनाओं का उद्घाटन हुआ है जिसकी कुल कीमत 299 करोड़ है। 12 परियोजनाओं का शिलान्यास हुआ है उसकी लागत 643 करोड़ रुपए है। अंडमान के छोटे से द्वीप के अंदर लगभग 1,000 करोड़ रुपए के विकास योजनाओं को शुरू कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि आज जिस ब्रिज का लोकार्पण हुआ है उसका नाम हमने आजाद हिंद फौज ब्रिज नाम देने का निर्णय किया है। मुझे आनंद है कि ब्रिज से गुजरने वाला हर एक व्यक्ति नेताओं जी के 35 हजार किमी से प्रवास का, उनके पराक्रम को हमेशा श्रद्धांजलि देते हुए एक छोर से दूसरे छोर जाएगा। इस दौरान उन्होंने जल क्षेत्र में हुए कार्यों की भी बात कही।

गृह मंत्री ने कहा कि यह स्थान आजादी के दीवानों का महातीर्थ है और अब युवा पीढ़ी के लिए तीर्थस्थान बन जाए इस प्रकार की सभी सुविधाएं अंडबान में करने का निर्णय किया है और इसमें ज्यादा समय भी नहीं लगेगा।

सुभाष बाबू को युगो-युगो तक किया जाएगा याद

उन्होंने कहा कि सुभाष बाबू की कीर्ति और पराक्रम को युगो-युगो तक याद किया जाए। इसके लिए अंडमान में उनका स्मारक बनाएंगे और यहां से घोषणा होगी कि हमारी आजादी को कोई छू नहीं सकता है। आजादी लाखों-करोड़ो बलिदानियों के बलिदान से मिली है। आजादी के अमृत महोत्सव और सुभाष बाबू के 125 वर्ष पर यह काम हुआ है मुझे इसका आनंद है।

जम्मू-कश्मीर: आम नागरिकों की हत्या का सुरक्षाबलों ने लिया बदला, 13 आतंकवादियों को किया नेस्तनाबूत

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आतंकियों द्वारा घाटी में आम लोगों को निशाना बनाए जाने की घटना के बाद वहां हुए अलग-अलग मुठभेड़ों में 13 आतंकवादी मारे गए हैं। कश्मीर के आईजीपी विजय कुमार ने बताया कि नागरिक हत्याओं के बाद 9 मुठभेड़ों में 13 आतंकवादी मारे गए। श्रीनगर के 5 में से 3 आतंकवादियों को हमने 24 घंटे से भी कम समय में ढेर कर दिया है। इसके अलावा जम्मू कश्मीर में सेना के सात जवानों की हत्या करने में शामिल आतंकवादियों का पता लगाने के लिए पुंछ और राजौरी जिलों के वन्य क्षेत्रों में चलाया जा रहा सघन तलाशी अभियान शनिवार को छठे दिन भी जारी है।

गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर में पिछले हफ्ते अलग-अलग घटनाओं में आतंकवादियों ने आम नागरिकों को निशाना बनाया था। इससे पहले जम्मू कश्मीर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) दिलबाग सिंह ने कहा कि पाकिस्तान

प्रायोजित तत्व इस केन्द्र शासित प्रदेश में बन रहे शांतिपूर्ण माहौल को बिगाड़ने और सामान्य जनजीवन को अस्त-व्यस्त करने के प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने सुरक्षा स्थिति तथा आतंकवादियों एवं सीमापार के उनके आकाओं के विध्वंसक कृत्यों से निपटने के लिए सामूहिक उपायों पर बल दिया।

आपको बता दें कि जम्मू-कश्मीर में नागरिकों पर बढ़े हमलों के बीच श्रीनगर के ईदगाह इलाके में को आतंकवादियों ने एक महिला प्रधानाध्यापक समेत सरकारी विद्यालय के दो शिक्षकों की गोली मार कर हत्या कर दी थी। कश्मीर घाटी में संदिग्ध आतंकवादियों ने 90 मिनट के भीतर तीन लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी। यहां इकबाल पार्क क्षेत्र में श्रीनगर की प्रसिद्ध फार्मेसी के मालिक माखनलाल बिंदरू की उनके व्यावसायिक परिसर में गोली मारकर हत्या कर दी गई।

भाजपा पर जमकर बरसे मुख्यमंत्री ठाकरे, कहा- रिश्ता खत्म करने के बाद बनाया जा रहा निशाना, एजेंसियों का न करें इस्तेमाल

मुंबई। (एजेंसी)।

महाराष्ट्र की राजनीति में अहम किरदार निभाने वाली पार्टी शिवसेना हमेशा ही दशहरे पर एक विशाल आयोजन करती है। इस बार भी पार्टी ने मुंबई में आयोजन किया। जिसमें मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे समेत कई नेता शामिल हुए। इस दौरान मुख्यमंत्री ठाकरे ने भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हिंदुत्व को उन लोगों से खतरा है जो सत्ता पाने के लिए इसका इस्तेमाल करते हैं और उनके लिए सत्ता की भूख नशे की लत जैसी है।

हिंदुओं की एकता के लिए करें काम: मुख्यमंत्री ठाकरे ने कहा कि वो लोग अब फूट डालो और राज करो की ब्रिटिश नीति को अपनाएंगे। शिवसेना को ऐसे मंसूबों से बचना चाहिए और मराठी लोगों और हिंदुओं की एकता के लिए काम करना चाहिए। इसी बीच उन्होंने कहा कि मेरे लोगों को यह नहीं सोचना चाहिए कि मैं मुख्यमंत्री हूं। मुझे लगता है कि मैं आपके परिवार का हिस्सा हूं, आपका भाई हूं और भगवान के चरणों में मेरी यह प्रार्थना है कि ऐसा बना रहे। उन्होंने कहा कि मैं हमेशा नम्रतापूर्वक लोगों का आशीर्वाद पाने की कोशिश करता हूं और यही आशीर्वाद ही असली महिमा और असली ताकत है। उन्होंने कहा कि हम जो कुछ भी बोलते हैं, वो करके दिखाते हैं। हमने कई प्राकृतिक आपदाओं और

कोविड का मुकाबला डटकर किया है। इसी बीच उन्होंने शिवसेना को लोगों की आवाज बताई और कहा कि इसे कोई रोक नहीं सकता है।

भाजपा पर बरसे उद्धव ठाकरे: मुख्यमंत्री ठाकरे ने भाजपा पर वीर सावरकर और महात्मा गांधी को नहीं समझ पाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उन्हें अपनी हिन्दुत्व की विचारधारा पर गर्व है, लेकिन मुख्यमंत्री होने के नाते वह सभी नागरिकों के लिए समान भाव रखते हैं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र और शिवसेना को निशाना बनाया जा रहा था क्योंकि उनकी पार्टी ने भाजपा के साथ रिश्ता समाप्त कर दिया था। मुख्यमंत्री ठाकरे ने आगे कहा कि जब हम साथ थे तो अच्छे थे... ईडी का उपयोग न करें। सामने से हमला करें। हमारी सरकार अस्थिर करने के तमाम प्रयासों के बावजूद अगले महीने कार्यकाल के दो साल पूरे कर लेगी। मैं आपको उसे गिराने की चुनौती देता हूं।

धर्म से डरने वाला व्यक्ति कैसे कर सकता है धार्मिक ग्रंथ का अपमान, गरीब परिवार ने की समुचित न्याय की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)।

सिंघू बॉर्डर पर गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी के आरोप में सिख पंथ के सदस्यों द्वारा पीट-पीटकर जान से मारे गए दलित खेतिहर मजदूर लखबीर सिंह के परिवार ने इस मामले को लेकर उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। परिवार ने दावा किया कि लखबीर सिंह ईश्वर से डरने वाले व्यक्ति थे जो कभी भी पवित्र ग्रंथ की बेअदबी करने के बारे में भी नहीं सोच सकते थे। लखबीर की पत्नी जसप्रीत कौर और 12, 11 तथा 8 साल की 3 बेटियां अमृतसर से करीब 50 किलोमीटर दूर गांव सीमा कला में एक छोटे से कच्चे मकान में रहती हैं। उनके बेटे कि 2 साल पहले ही मौत हो गई है। लखबीर का परिवार बेहद ही गरीब है। बताया जा रहा कि जब लखबीर जीवित थे तब परिवार मुश्किल से दिन में दो वक्त के भोजन का प्रबंध कर पाता था और अपनी आजीविका के लिए गांव के खेतों में या तरनतारन जिले की अनाज मंडी में काम करता था। लखबीर की बहन राज कौर कहती हैं, अब उनके परिवार की देखभाल के लिए कौन आगे आएगा और उनके बच्चों के भविष्य का क्या होगा..कौन उनकी मदद करेगा?

लखबीर (35) का शव सिंघू बॉर्डर के पास पुलिस अवरोधक से बंधा मिला था, जहां किसान तीन केंद्रीय कृषि कानूनों के विरोध में प्रदर्शन कर रहे हैं। लखबीर के शरीर का बायां हाथ कटा हुआ था और उनके शव पर धारदार हथियारों से घाव के 10 से अधिक निशान थे। घटना के कुछ घंटे बाद, नीले वस्त्र पहने एक निहंग सिख सरबजीत सिंह ने दावा किया कि उसने गुरु ग्रंथ साहिब को अपवित्र करने के लिए लखबीर को दंडित किया था। पंजाब के गुरदासपुर जिले के विटवा के निवासी सरबजीत को बाद में पीट-पीटकर हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। उसके दावे पर सवाल उठाते हुए, जसप्रीत कौर और राज कौर ने कहा कि लखबीर सिंह के दिल में पवित्र गुरु ग्रंथ साहिब के प्रति गहरा सम्मान था। जसप्रीत कौर ने कहा, वह ईश्वर से डरने वाले व्यक्ति थे, जो कभी पवित्र पुस्तक को अपवित्र करने के बारे में सोच भी नहीं सकते थे। जब भी वह किसी गुरुद्वारे में जाते थे, तो वह अपने परिवार और समाज की भलाई के लिए प्रार्थना करते थे। पीड़ित परिवार ने कहा कि उनका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं था और उनके बुरे चरित्र की कोई रिपोर्ट नहीं थी। परिवार ने सच्चाई सामने लाने के लिए पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच की मांग की। जसप्रीत और राज कौर ने कहा कि अगर एक पल के लिए भी मान लिया जाए कि लखबीर ने कुछ गलत किया है, तो जिन लोगों ने उनकी इतनी बर्बरता से हत्या की, उन्हें लखबीर को उनकी बेगुनाही साबित करने के लिए समय देना चाहिए था, या वे उन्हें पुलिस के हवाले कर सकते थे। लखबीर की भाभी सिमरनजीत कौर और सास सविंदर कौर सहित उनके परिवार के सदस्यों ने मीडिया को बताया कि लखबीर और उनकी बहन राज कौर को एक सेवानिवृत्त सैन्यकर्मी हरनाम सिंह ने गोद लिया था, जो बिना किसी समस्या के साथ रह रहे थे। हालांकि हरनाम सिंह अब इस दुनिया में नहीं रहे। परिवार ने दावा किया कि लखबीर का किसी भी राजनीतिक संगठन से कोई संबंध नहीं था और वह कभी भी किसी राजनीतिक व्यक्ति के समर्थन में किसी राजनीतिक रैली में नहीं गए। उनकी बहन राज कौर ने कहा, ÷मेरे भाई के पास घर से निकलने वक्त केवल 50 रुपये थे और इतने पैसे सिंघू सीमा तक पहुंचने के लिए पर्याप्त नहीं थे, लेकिन हो सकता है कि वह किसी ट्रैक्टर ट्रॉली या ट्रक से लिफ्ट लेकर वहां पहुंचा हो। कौर ने दावा किया, इसके अलावा, घटना से पहले मेरा भाई तीन दिनों से उन लोगों के साथ रह रहा था, जो लोग उसकी हत्या में संलिप्त हैं। यह पूछे जाने पर कि लखबीर सिंघू बॉर्डर क्यों गए थे, तो राज कौर ने कहा, हो सकता है कि किसी ने उसे (श्रम के लिए) अधिक पैसे की पेशकश की हो।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

25 अक्तूबर को सिद्धार्थनगर समेत उत्तर प्रदेश को एक साथ नौ मेडिकल कालेज का तोहफा प्रदान करेंगे

पीएम नरेंद्र मोदी 25 को सिद्धार्थनगर से करेंगे नौ मेडिकल कॉलेजों का लोकार्पण

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 अक्तूबर को सिद्धार्थनगर समेत उत्तर प्रदेश को एक साथ नौ मेडिकल कालेज का तोहफा प्रदान करेंगे। नेशनल मेडिकल काउंसिल सिद्धार्थनगर समेत सभी नौ मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण कर इनके संचालन की संस्तुति प्रदान कर चुका है। पहले इस कालेजों के लोकार्पण की योजना 30 जुलाई को थी लेकिन नेशनल मेडिकल काउसिंग (एनएमसी) की संस्तुति के अभाव में लोकार्पण का कार्यक्रम स्थगित हो गया था। प्रधानमंत्री कार्यालय से स्वीकृति मिलने के बाद सिद्धार्थनगर जिले में तैयारियां शुरू हो गई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सिद्धार्थनगर में एक बड़ी जनसभा कर नवनिर्मित स्वर्गीय माधव प्रसाद त्रिपाठी उर्फ माधव बाबू स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय का लोकार्पण करेंगे। सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर मेडिकल कॉलेज परिसर में सीएसआर फंड से रैन बसेरा निर्मित करने की योजना भी बन रही है। यहीं से प्रधानमंत्री देवरिया में नवनिर्मित महर्षि देवरहा बाबा स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय समेत सूबे के 9 नए मेडिकल कॉलेज का एक साथ वर्चुअल शुभारम्भ करेंगे। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, सीएम योगी आदित्यनाथ समेत प्रदेश सरकार के अन्य मंत्री भी मौजूद रहेंगे। लोकार्पित किए गए 9 मेडिकल कालेज में 7 का निर्माण राजकीय निर्माण निगम ने किया है। राजकीय निर्माण निगम के प्रोजेक्ट मैनेजर इंजीनियर डीबी सिंह फिलहाल सिद्धार्थनगर में डेरा डाले हुए हैं। लोकार्पण के मद्देनजर जरूरी साफ-सफाई कराई जा रही है। उधर सीएम के निर्देश पर देवरिया में महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज परिसर में महर्षि देवरहा बाबा की बड़ी प्रतिमा लोकार्पण के पूर्व लगाने की तैयारियां जोरों पर हैं। सिद्धार्थनगर मेडिकल कॉलेज समेत जिन नौ मेडिकल कालेज का लोकार्पण किया जाएगा, उनमें देवरिया, जौनपुर, गाजीपुर, मिजार्पुर, फतेहपुर, प्रतापगढ़, हरदोई और एटा मेडिकल कॉलेज शामिल है। एक साथ नौ मेडिकल कॉलेजों का लोकार्पण प्रदेश के इतिहास में अभूतपूर्व अवसर होगा। सीएम योगी आदित्यनाथ ने राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को और अधिक बेहतर बनाने के लिए इन मेडिकल कालेजों का शिलान्यास किया, अब ये सेवाएं देने को तैयार हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ की कोशिश 2021-22 सत्र से ही इन कॉलेजों में एमबीबीएस प्रथम वर्ष की कक्षाएं संचालित करने की है। इन कॉलेजों में 450 से अधिक संकाय सदस्यों की नियुक्ति की प्रक्रिया चल रही है। इन मेडिकल कॉलेज में एसोसिएट प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर और एसआर के रिक्त पदों के लिए वॉक इन इंटरव्यू हो रहे। इन सभी मेडिकल कॉलेजों में फैकल्टी का चयन पारदर्शिता के साथ करने के निर्देश सीएम पहले ही दे चुके हैं। प्रत्येक मेडिकल कालेज में एमबीबीएस के 100-100 सीटों पर प्रवेश मिलेगा।

देश में कोरोना की रफ्तार घटी, 24 घंटे में आए 15981 नए मामले, 166 मरीज़ों ने दम तोड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

देश में कोरोना वायरस के संक्रमण की घट-बढ़ लगातार जारी है। कभी नए मामलों में उछाल आता है तो कभी इससे राहत मिलती दिखाई देती है। यही कारण है कि कोरोनावायरस पर नजर रखने वाले विशेषज्ञ तीसरी लहर को लेकर अभी भी डरे हुए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, पिछले 24 घंटों में देश में कोरोना संक्रमण के 15 हजार 981 नए केस सामने आए हैं, जबकि इस दौरान 166 मरीजों की मौत हुई है। कोरोना के नए मरीज मिलने के बाद अब देश में कुल संक्रमितों की संख्या 3 करोड़ 49 लाख 53 हजार 573 हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, देश में अब तक कोरोना के 2 लाख 1 हजार 632 सक्रिय केस हैं, जबकि 3 करोड़ 33 लाख 99 हजार 961 लोग ठीक होकर अपने घर जा चुके हैं। वहीं अब तक कोरोना से 4 लाख 51 हजार 980 लोगों की मौत हो चुकी है। पिछले 24 घंटे में 8,36,118 लोगों को कोरोना वैक्सीन लगाई गई। वहीं देश में अब तक 97,23,77,045 लोगों को वैक्सीन लगाई जा चुकी है। केरल में शुक्रवार को जहां कोविड-19 से 67 मरीजों की मौत हो गई वहीं, जम्मू कश्मीर में पिछले 24 घंटे में महामारी से किसी की मौत नहीं हुई।

पहला कॉलम

JK में आतंक पर बड़ा प्रहार, लश्कर का खूंखार कमांडर उमर मुश्ताक ढेर, टॉप 10 दहशतगर्दों में था शामिल

नेशनल डेस्क। पंपोर इलाके में आतंकियों के साथ एनकाउंटर में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली है। दरअसल आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का कमांडर उमर मुश्ताक खांडे जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले के पंपोर इलाके में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में मारा गया है। लंबे समय से पुलिस के उमर की तलाश थी। जैसे ही सुरक्षाबलों की इसके छिपे होने की सूचना मिली। तुरंत संयुक्त रूप से सर्च ऑपरेशन चलाया गया। शनिवार सुबह ही सुरक्षाबलों ने मुश्ताक को घेर लिया था। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। खांडे उन आतंकवादियों में शामिल है, जिन्हें इस साल अगस्त में पुलिस द्वारा एक हिटलिस्ट जारी किए जाने के बाद से सुरक्षा बल निशाना बना रहे हैं। पुलिस महानिरीक्षक (कश्मीर) विजय कुमार ने ट्वीट किया कि खांडे इस साल की शुरुआत में श्रीनगर जिले के बघाट में दो पुलिसकर्मियों की हत्या की घटना में कथित रूप से शामिल था। इसने आतंक की अन्य घटनाओं को भी अंजाम दिया था। उन्होंने ट्वीट किया, श्रीनगर के बघाट में दो पुलिसकर्मियों की हत्या और आतंकवाद से जुड़े अन्य अपराधों में शामिल शीर्ष 10 आतंकवादियों में शामिल लश्कर का कमांडर उमर मुस्ताक खांडे पंपोर में फंसा है।

भारतीय सीमा में घुसा नेपाली हवाई जहाज खुफिया एजेंसियां अलर्ट

नई दिल्ली । सीमा पर अक्सर नेपाली हवाई जहाज दिखते हैं। कभी-कभार ये जहाज भारतीय सीमा में घुस आते हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को एक नेपाली जहाज सोनौली कस्बे के उपर से उड़ते दिखा। इसको लेकर भारतीय खुफिया एजेंसियां अलर्ट हो गईं। बुद्धा एयरलाइंस के भैरहवा स्टेशन मास्टर दर्शन धीमरे ने बताया जब कभी नार्थ में मौसम खराब होता है तो प्लेन को लैंडिंग के लिए साउथ से आना होता है। साउथ में भारत की सीमा पड़ती है। प्लेन का पायलट गोरखपुर, वाराणसी एयरपोर्ट के एयर ट्रैफिक कंट्रोल से परमिशन लेकर भारतीय एरिया में उड़ान करता है। जब कभी कोई विदेशी जहाज भारतीय सीमा में घुसता है तो भारतीय रडार पर तुरंत सूचना मिल जाती है। कई वर्ष पहले एक नेपाली जहाज मौसम खराब होने के कारण भारतीय सीमा में घुस आया था। भारतीय रडार को जब सूचना मिली तो भारत के विदेश मंत्रालय ने नेपाल सरकार से इस पर जवाब मांगा था। सीमा से सटे नजदीक भैरहवा एयरपोर्ट होने के कारण बार-बार नेपाली हवाई जहाजों को यह परेशानी होती है।

कांग्रेस अध्यक्ष की कुर्सी पर नेहरू-गांधी परिवार का दबदबा

(एजेंसी)।

कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में शनिवार को राहुल गांधी को फिर कांग्रेस अध्यक्ष बनाने का प्रस्ताव रखा गया और सूत्रों के अनुसार गांधी पार्टी अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालने को तैयार हो गए हैं। सूत्रों ने बताया कि कार्यसमिति की बैठक में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ओर से गये इस प्रस्ताव को मौन स्वीकृति मिल गई यानी औपचारिक तौर पर किसी ने विरोध नहीं किया। पिछले आम चुनाव में कांग्रेस की करारी हार के बाद गांधी ने 10 अगस्त 2019 को पार्टी के अध्यक्ष पद से इस्तीफ़ा दे दिया था। पहली बार वह 16 दिसम्बर 2017 को अध्यक्ष बने थे, तब सोनिया गांधी ने 19 साल बाद यह पद उनके लिए छोड़ा था। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि वर्ष 2019 में कांग्रेस के चुनाव हारने के बाद तत्कालीन अध्यक्ष गांधी ने चार पृष्ठ की एक चिट्ठी लिखी थी जिसमें उन्होंने कहा था,'' कांग्रेस में शक्तिशाली लोग सत्ता से चिपके रहना चाहते हैं, कोई सत्ता का त्याग करने का साहस नहीं दिखाता। हमें सत्ता की इच्छा के बिना त्याग और गहरी वैचारिक लड़ाई लड़ने की ज़रूरत है, उसके बिना हम अपने विरोधियों को नहीं हरा पाएंगे। एक वरिष्ठ पत्रकार ने बताया कि आज़ादी के बाद से 73 साल में 39 साल नेहरू-गांधी परिवार कांग्रेस के अध्यक्ष पद पर रहा है। वर्ष 1998 से अब तक के 23 साल में सिर्फ सोनिया गांधी और राहुल गांधी अध्यक्ष रहे जबकि इस दौरान भारतीय जनता पार्टी के 10 लोग अध्यक्ष बने हैं। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या के बाद हालांकि श्रीमती सोनिया गांधी ने कांग्रेस के अध्यक्ष पद की ज़िम्मेदारी संभालने से इन्कार कर दिया था,लेकिन 1998 में वह सीताराम केसरी को हटाकर अध्यक्ष की कुर्सी पर बैठी। चौदह मार्च 1998 से 16 दिसम्बर 2017 तक सबसे लंबे समय तक यानी 19 साल वे पार्टी की अध्यक्ष रहीं और यह कुर्सी उन्होंने अपने पुत्र राहुल गांधी के लिए छोड़ी। आज़ादी के बाद का यदि कांग्रेस का इतिहास देखें तो अब तक कुल 19 कांग्रेस अध्यक्ष बने हैं, पहले अध्यक्ष जे बी कृपलानी थे। कांग्रेस का चुनावी जीत का इतिहास खंगाला जाए तो इन 74 साल में हुए 17 आम चुनावों में सात बार गैर-नेहरू गांधी नेता कांग्रेस अध्यक्ष रहा, उनमें चार बार चुनाव जीते जबकि नेहरू-गांधी परिवार के रहते हुए 10 चुनावों में से चार में कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा। आज़ादी के बाद से 14 गैर नेहरू-गांधी कांग्रेसी अध्यक्ष रहे हैं और उनकी सफलता की दर 57 फीसद रही है। राजीव गांधी, सोनिया गांधी और राहुल गांधी तीनों के ही नेतृत्व में कांग्रेस ने चुनाव हारे हैं। राजीव गांधी के वक्त जब कांग्रेस के पास 400 से ज़्यादा सीटें थीं, तब 1989 में कांग्रेस चुनाव हार गई और 2014 में भी केन्द्र में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की सरकार थी लेकिन सोनिया गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस को सबसे कम 44 सीटें मिलीं। नेहरू-गांधी परिवार के नेता यानी सोनिया गांधी और राहुल गांधी के रहते हुए कांग्रेस लोकसभा में अपनी सबसे कम सीटों 2014 में 44 और 2019 में 52 पर पहुंच गईं। कांग्रेस के गैर नेहरू-गांधी अध्यक्ष नरसिंह राव के कार्यकाल के दौरान 1996 में 140 सीटें और सीताराम केसरी के कार्यकाल में 1998 में 141 सीटें मिलीं थी, यानी ॅसोनिया गांधी के कार्यकाल से तीन गुना ज्यादा सीटें। इससे पहले का रिकार्ड देखा जाए तो 1957 में यू एन ढेबर अध्यक्ष थे, कांग्रेस ने 371 सीटें जीती थीं। 1962 के चुनावों में नीलम संजीव रेड्डी के रहते हुए कांग्रेस को 361 सीटें, 1967 में के कामराज के अध्यक्ष रहने के दौरान 283 सीटें और 1971 जब जगजीवन राम अध्यक्ष थे तो कांग्रेस को 352 सीटें मिलीं थीं।

एनएसजी आतंकवाद से निपटने के लिए विश्व स्तरीय प्रशिक्षित बल : शाह

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को 37वें स्थापना दिवस पर राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) बल को बधाई देते हुए कहा कि यह आतंकवाद के सभी पहलुओं से निपटने के लिए एक विश्व स्तरीय प्रशिक्षित बल है और देश को अपने सैनिकों पर गर्व है। हर साल 16 अक्टूबर को एनएसजी का स्थापना दिवस मनाया जाता है। राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड, एनएसजी की स्थापना 1984 में हुई थी। तब केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एक विशेष आतंकवाद-रोधी बल बनाने का निर्णय लिया था, जो आतंकवाद सभी पहलुओं से निपटने के लिए अच्छी तरह से प्रशिक्षित हो। इसका उपयोग सिर्फ असाधारण स्थितियों में ही किया जाता है। इस साल एनएसजी की स्थापना की 37वीं वर्षगांठ है। एनएसजी को ब्लैक कैट्स के नाम से भी जाना जाता है। गृह मंत्री ने ट्वीट किया, 'हमारे बहादुर एनएसजी कर्मियों को उनके 37वें स्थापना दिवस पर बधाई। एनएसजी आतंकवाद के सभी पहलुओं से निपटने के लिए एक विश्व स्तरीय प्रशिक्षित बल है। इस बल ने अपने आदर्श वाक्य 'सर्वत्र सर्वोत्तम सुरक्षा' पर खरा उतरने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। भारत को एनएसजी ब्लैक कैट्स पर गर्व है। एनएसजी को केवल असाधारण परिस्थितियों में तैनात किया जाता है। एसएजी में राज्य पुलिस बलों या केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के कर्मियों का समावेश होता है। इसके देश में छह परिचालन केंद्र हैं, जिसमें सातवें की योजना पठानकोट में है। एनएसजी आतंकवादी हमलों, बंधकों को छुड़ाने और अपहरण जैसी विभिन्न उच्च दबाव वाली स्थितियों से निपटने में सक्षम है। 2020 से पहले एनएसजी देश में वीआईपी सुरक्षा को भी संभालती थी, लेकिन केंद्र सरकार ने उसे वीआईपी सुरक्षा से हटाने का फैसला किया था। इस कदम के पीछे का कारण यह बताया गया कि एनएसजी को आतंकवाद निरोधी अपने मूल दायित्वों पर फोकस करने की जरूरत है। बता दें कि इस बल का जब गठन हुआ था तब इसके मूल कामों में वीआईपी सुरक्षा शामिल नहीं थी। ब्लैक कैट्स ने 2008 में 26/11 के मुंबई हमलों के दौरान 'ऑपरेशन ब्लैक टॉरनेडो' के जरिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। एनएसजी कमांडो ने नरीमन हाउस, ताजमहल पैलेस होटल और ओबेराय ट्राइडेंट होटल पर अन्य बलों के कर्मियों के साथ समन्वय करते हुए सभी आतंकवादियों को मार गिराया।

केरल के कोट्टायम में भारी बारिश के बाद करीब दस लोग लापता, वायुसेना से मांगा गया सहयोग

नेशनल डेस्क। केरल सरकार ने राज्य में भारी बारिश के बाद हुए भूस्खलन को देखते हुए बचाव कार्यों में भारतीय वायुसेना से सहयोग मांगा है। मुख्यमंत्री के कार्यालय ने सूचना दी है कि कोट्टायम जिले के कोट्टीकल में वायुसेना से सहयोग मांगा गया है, जहां भूस्खलन के कारण कुछ परिवार परेशानी में हैं। सहयोग एवं पंजीकरण मंत्री वी. एन. वासवन ने कहा कि कोट्टायम जिले में कम से कम तीन घर बह गए और दस लोगों के लापता होने की आशंका है। मंत्री ने कहा, ''कोट्टायम जिले के विभिन्न हिस्सों से कम से कम चार भूस्खलन की घटनाओं की सूचना है। हमने वायुसेना से सहयोग मांगा है ताकि कोट्टीकल इलाके में फंसे लोगों को बचाया जा सके। हमें कुछ लोगों के लापता होने की सूचना है और 60 से अधिक लोग बचाव कार्य का इंतजार कर रहे हैं क्योंकि पानी घरों में घुस गया है। राज्य में शुक्रवार की रात से भारी बारिश के कारण कोट्टायम एवं पथनमथिट्टा सबसे बुरी तरह प्रभावित जिले हैं। सोशल मीडिया पर कोट्टायम जिले के विभिन्न हिस्सों से वीडियो सामने आए हैं। इसमें एक वीडियो में केएसआरटीसी का बस बाढ़ के पानी में फंसा है और स्थानीय लोग इसमें से यात्रियों को बाहर निकाल रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटने के बाद सभी के लिए खुला विकास का रास्ता: मोहन भागवत

नागपुर (एजेंसी)।

महाराष्ट्र के नागपुर में शनिवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि मैंने जम्मू-कश्मीर का दौरा किया और वर्तमान स्थिति देखी। अनुच्छेद 370 हटने के बाद सभी के लिए विकास का रास्ता खुल गया है। अनुच्छेद 370 के बहाने जम्मू-लद्दाख में पहले भेदभाव किया जाता था। वह भेदभाव अब मौजूद नहीं है। उनके मुताबिक, कश्मीर घाटी के लिए जो किया गया उसका 80 फीसद राजनीतिक नेताओं की जेब में चला गया और लोगों तक नहीं पहुंचा। अब कश्मीर घाटी के लोगों को विकास और लाभ प्राप्त करने की सीधी पहुंच का अनुभव हो रहा है।

हिंदू मंदिरों के अधिकार हिंदुओं को सौंपे जाएं- भागवत

नागपुर, प्रेट्र। देश में कुछ मंदिरों की हालत पर चिंता जताते हुए आरएसएस के सरसंघ चालक मोहन भागवत ने कहा कि हिंदू मंदिरों के संचालन का अधिकार हिंदू श्रद्धालुओं के हाथों में ही होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हिंदू मंदिरों के धन का उपयोग सिर्फ हिंदू समुदाय के कल्याण के लिए ही किया जाना चाहिए। यहां रेशमबाग में संघ की परंपरागत दशहरा रैली को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि दक्षिण भारत में मंदिरों पर राज्य सरकारों का पूर्ण नियंत्रण है, जबकि देश के दूसरे भागों में कुछ मंदिरों का संचालन सरकार तो कुछ का हिंदू श्रद्धालुओं द्वारा किया जाता है। भागवत ने कहा कि हिंदू मंदिरों के धन का उपयोग गैर-हिंदुओं के लिए किया जा रहा है, जिनका हिंदू देवी-देवताओं में कोई यकीन नहीं है। हिंदुओं के लिए इस धन की जरूरत है, लेकिन उनके लिए इसका इस्तेमाल नहीं किया जा रहा। उन्होंने कहा कि यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट ने भी हिंदू मंदिरों को लेकर आदेश दिया है। शीर्ष अदालत ने कहा कि मंदिरों के स्वामी भगवान हैं। पुजारी सिर्फ प्रबंधक हैं। सरकार केवल प्रबंधन के लिए मंदिरों को अपने नियंत्रण में ले सकती है, वह भी कुछ समय के लिए। उन्होंने कहा कि यह निर्णय किए जाने की जरूरत है कि हिंदू समाज किस तरह से इन मंदिरों की देखभाल करे।

विदेश मंत्री जयशंकर 17 अक्टूबर को इजराइल की यात्रा पर जायेंगे

(एजेंसी)।

विदेश मंत्री एस जयशंकर 17 अक्टूबर से पांच दिवसीय यात्रा पर इजराइल जायेंगे जहां वे द्विपक्षीय संबंधों को लेकर उच्च स्तरीय बैठक करेंगे। विदेश मंत्रालय के बयान से यह जानकारी मिली है।

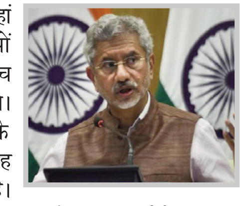

विदेश मंत्रालय ने बयान में कहा, '' विदेश मंत्री एस जयशंकर 17-21 अक्टूबर तक इजराइल की आधिकारिक यात्रा पर जायेंगे ।%% मंत्रालय के अनुसार, जयशंकर इजराइल के विदेश मंत्री येर लेपिड के निमंत्रण पर जा रहे हैं । बयान में कहा गया है कि विदेश मंत्री के रूप में जयशंकर की यह पहली इजराइल यात्रा है । इस दौरान वे अपने इजराइली समकक्ष येर लेपिड के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। इजराइल में नेफ्ताली बेनेट की सरकार बनने के बाद भारत से यह पहली महत्वपूर्ण उच्च स्तरीय यात्रा होगी । विदेश मंत्रालय के अनुसार, जयशंकर अपनी यात्रा के दौरान वहां के राष्ट्रपति इसाक हर्जोग, प्रधानमंत्री नेफ्ताली बेनेट तथा वहां की संसद नेसेट के स्पीकर से भी मुलाकात करेंगे ।

भारत और इजराइल ने जुलाई 2017 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इजराइल यात्रा के दौरान अपने द्विपक्षीय संबंधों को सामरिक गठजोड़ में बदला था । मंत्रालय ने कहा कि इसके बाद से दोनों देश ज्ञान आधारित आपने गठजोड़ को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किये हुए हैं जिसमें नवोन्मेष एवं शोध तथा 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम को गति प्रदान करने पर जोर दिया जा रहा है।

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार
में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार
संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे
अपने क्षेत्र में समस्याएं
हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल
संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों
और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों
की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com